राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार,19फ़रवरी 2021 वर्ष-4, अंक -27 पृष्ठ-08 मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फेफड़ों के संक्रमण का इलाज होगा आसान

बेंगलुरु। भारतीय विज्ञान संस्थान (आइआइएससी) बेंगलुरु के विज्ञानियों ने नॉर्वे के ओस्लो यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल और एडगर यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के साथ मिलकर एक ऐसा सॉफ्टवेयर विकसित किया है, जो कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण की गंभीरता का पता लगा सकता है। दावा है कि इसकी मदद से संक्रमण का इलाज करना आसान हो जाएगा। हाल ही में जर्नल आइईईई ट्रांजेक्शन ऑन नेचुरल नेटवर्क एंड लर्निंग सिस्टम में प्रकाशित एक अध्ययन में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) आधारित इस सॉफ्टवेयर के बारे में विस्तार से बताया गया है। आइआइएससी ने एक बयान में कहा कि कोविड-19 श्वसन तंत्र विशेष रूप से फेफड़ों के ऊतकों को गंभीर नुकसान पहुंचता है। एक्स-रे और सीटी स्कैन जैसी इमेजिंग तकनीक के जरिये यह पता लगाया जा सकता है कि संक्रमण कितना फैल गया है।

मरीजों को त्वरित इलाज दिया जा सकता है

आइआइएससी के डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटेशनल एंड डाटा साइंस एंड इंस्ट्रूमेंटेशन एंड अप्लाइड फिजिक्स के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित एनमनेट नामक यह सॉफ्टवेयर कोरोना मरीजों की छाती के सीटी स्कैन का विश्लेषण करता है। एक विशेष प्रकार के तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग करते हुए यह अनुमान लगाता है कि फेफड़ों को कितना नुकसान हुआ है। इसके आधार पर डॉक्टर मरीजों को त्वरित इलाज दे सकते हैं।

उपकरण कोरोना मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टरों के लिए मददगार

आइआइएससी के अनुसार, यह ऑटोमेटिक उपकरण कोरोना मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टरों के लिए मददगार सिद्ध हो सकता है और मरीजों को संक्रमण से उबरने में मदद मिल सकेगी। इस अध्ययन के मुख्य शोधकर्ता नवीन पालुरु ने कहा, 'एनमनेट' मूल रूप से छाती के सीटी स्कैन से विश्लेषण करता है और डीप लर्निंग तकनीक के जरिये संक्रमण की गंभीरता का अनुमान लगाता है।

पहले काम नहीं होने से असम और नार्थ ईस्ट में कनेक्टिविटी एक चुनौती बनी रही- पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार के दिन असम में कई परियोजनाओं को हरी इंडी दिखाई। इस दौरान प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महाबाहु-ब्रह्मपुत्र योजना का शुभारंभ किया और दो पुलों (धुबरी फूलबारी पुल और मजुली पुल) की आधारशिला भी रखी।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार के दिन असम में कई परियोजनाओं को हरी इंडी दिखाई। इस दौरान प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महाबाहु-ब्रह्मपुत्र योजना का शुभारंभ किया और दो पुलों (धुबरी फूलबारी पुल और मजुली पुल) की आधारशिला रखी। इस दौरान उन्होंने कहा कि ब्रह्मपुत्र पर कनेक्टिविटी से जुड़े जितने काम पहले होने चाहिए थे, उतने पहले नहीं हुए। इसकी वजह से असम और नार्थ ईस्ट में कनेक्टिविटी एक चुनौती बनी रही। महाबाहु ब्रह्मपुत्र के आशीर्वाद से अब इस दिशा में तेजी से कार्य हो रहा है।

- प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि बीते वर्षों में केंद्र और असम की डबल इंजन सरकार ने इस पूरे क्षेत्र की भौगोलिक और सांस्कृतिक दोनों प्रकार की दूरियों को कम करने का प्रयास किया है। असम सहित पूरे नॉर्थ ईस्ट की भौतिक और सांस्कृतिक अखंडता को बीते सालों में सशक्त किया गया है। धुबरी फूलबारी पुल को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि असम और मेघालय के बीच की दूरी सड़क मार्ग से लगभग 250 किलोमीटर है। भविष्य में, यह केवल 19-20 किलोमीटर होगा। यह पुल अन्य देशों को यातायात के अंतरराष्ट्रीय आवागमन के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह भी कहा कि असम वासियों की वर्षों पुरानी मांग आज पुल के भूमिपूजन के साथ ही पूरी होनी शुरू हो गई है। कालीबाड़ी घाट से जोरहाट को जोड़ने वाला 8 किमी का ये पुल मजूली के हजारों परिवारों की जीवन रेखा बनेगा। ये ब्रिज आपके लिए सुविधा और संभावनाओं का सेतु बनने वाला है।

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज का दिन असम सहित पूरे नॉर्थ के लिए इस

> ब्रह्मपुत्र पर कनेक्टिविटी से जुड़े जितने काम पहले होने चाहिए थे, उतने पहले नहीं हुए। इसकी वजह से असम और नार्थ ईस्ट में कनेक्टिविटी एक चुनौती बनी रही।

व्यापक विजन को विस्तार देने वाला है। मजूली में असम का पहला हैलीपोड भी बन चुका है। अब मजूलीवासियों को सड़क का भी तेज और सुरक्षित विकल्प मिलने वाला है। आपकी वर्षों पुरानी मांग आज पुल के भूमि पूजन के साथ शुरु हो गई है। ब्रह्मपुत्र और बराक सहित असम को अनेक नदियों को जो सौगात मिली है उसे समृद्ध करने के लिए आज महाबाहु ब्रह्मपुत्र कार्यक्रम शुरु किया गया है। ये कार्यक्रम ब्रह्मपुत्र के जल से इस पूरे क्षेत्र में वॉटर कनेक्टिविटी को सशक्त करेगा।

- केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि ब्रह्मपुत्र नदी पर एक पुल की मांग 10 साल पुराना है। इसके साथ, धुबरी और फूलबाड़ी के बीच की दूरी 203 किलोमीटर कम हो जाएगी। इस पुल के माध्यम से असम और मेघालय, पश्चिम बंगाल से सीधे जुड़ जाएंगे। पश्चिम बंगाल के सेरामपुर से असम में धुबरी तक 55 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण इस अक्टूबर से शुरू होगा। पुल से भूटान और बांग्लादेश की यात्रा के लिए दूरी कम होगी और समय की बचत होगी।

निर्भया के दोषियों को फांसी देने वाला पवन जल्लाद अब हत्यारी शबनम का करेगा काम तमाम

लखनऊ। प्रेमी को साथ लेकर मां-बाप और भाई-भाभी समेत सात की हत्या करने वाली खलनायिका शबनम रामपुर जेल में आखिरी सांसें पूरी कर रही है। फिलहाल उसे खबर तक नहीं है और उसे फांसी लगाने की तैयारी मथुरा जेल में शुरू की जा चुकी है। इतना ही नहीं, जल्लाद ने फांसी घर का भी मुआयना कर लिया है। आजाद भारत में पहली बार कोई महिला फांसी पर चढ़ने जा रही है। हत्यारी शबनम को भी वह जल्लाद फांसी पर चढ़ाएगा, जिसने निर्भया कांड के दोषियों को फांसी पर लटकाया था। जी हां, शबनम को मथुरा का पवन जल्लाद फांसी पर चढ़ाएगा। निर्भया कांड के चार दोषियों को फांसी पर लटकाने वाला मेरठ का पवन जल्लाद अब अमरोहा की हत्यारी शबनम को फांसी देने के लिए तैयार है। आजादी के बाद से जो अब तक नहीं हुआ उस काम को पूरा करके पवन जल्लाद अपने नाम एक नया रिकॉर्ड दर्ज करेगा। पवन जल्लाद मथुरा जेल का दौरा भी कर चुका है, जहां पर शबनम को फांसी दी जानी है। फांसीघर का मुआयना कर चुका पवन जल्लाद जैसे ही शबनम को फांसी के तख्ते पर चढ़ाएगा, उसके नाम के साथ आजाद भारत में किसी महिला को फांसी देने का एक नया रिकॉर्ड जुड़ जाएगा। डेथ वारंट जारी होने पर शबनम को रामपुर जेल से फांसी के लिए मथुरा जेल ले जाया जाएगा। मेरठ का पुश्तैनी जल्लाद पवन भी इसके लिए फांसी घर का मुआयना कर चुका है। फांसी के फंदे के लिए विशेष रस्सी मंगाई गई है, जबकि फंदा बक्सर में तैयार हो रहा है। इतना ही नहीं, पवन जल्लाद ने फांसी घर का मुआयना कर कुछ बदलावों की लिस्ट भी प्रशासन को सौंपी है, जिस पर काम हो रहा है। बता दें कि 21 मई की तड़के चार बजे पवन जल्लाद ने दिल्ली की तिहाड़ जेल में निर्भया कांड के चार दोषियों को फांसी पर लटकाया था। पवन के नाम अब तक चार फांसी देने का रिकॉर्ड है। उसकी कई पीढ़ियां इस पुश्तैनी काम को करती रही हैं। पवन मेरठ में कांशीराम आवासीय कॉलोनी का रहने वाला है।

सुलझ रहा विवाद

पैंगोंग झील इलाके से सेनाएं पूरी तरह हटीं, मई से पहले की स्थिति में भारत और चीन

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद को सुलझाने की प्रक्रिया काफी तेज गति से चल रही है। एलएसी के पास पैंगोंग लेक इलाके के उत्तरी एवं दक्षिणी छोर से सेनाओं के हटने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। सेना के सूत्रों ने बुधवार देर शाम इस बात की पुष्टि की। हालांकि दोनों पक्षों की तरफ से अब सत्यापन की प्रक्रिया चल रही है, जो अगले दो दिनों के भीतर पूरी हो जाएगी।

सेना के सूत्रों ने कहा कि झील के उत्तरी एवं दक्षिणी हिस्से से सेनाएं अब पूरी तरह से पीछे हट चुकी हैं। चीनी सेना फिंगर-8 की तरफ पहुंच चुकी हैं जबकि भारतीय सेना फिंगर-3 तक हट चुकी। विगत 10 फरवरी से

सेनाओं के पीछे हटने की प्रक्रिया शुरू हुई थी, जो तेजी के साथ पूरी हुई है। सेना ने सप्ताह के अंत तक यह प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद जताई थी। इससे पूर्व बुधवार को मैक्स टेक्नोलॉजी की तरफ से जारी उपग्रह चित्रों में भी पेंगोंग लेक के उत्तरी इलाका पूरी तरह से खाली दिख रहा है। यह चित्र मंगलवार को लिए गए थे।

मंगलवार को फिंगर पांच तक चीनी सेना हट चुकी थी। बहरहाल, बुधवार को पेंगोंग से सेनाओं की पूरी तरह से वापसी हो गई है। वहां अब सेनाएं करीब-करीब मई से पूर्व की स्थिति में आ चुकी हैं। दोनों देशों की तरफ से ड्रोन एवं उपग्रहों के जरिये सेनाओं के पीछे हटने की पुष्टि भी की जा चुकी है। एक दिन पहले ही सेना ने कई वीडियो और फोटो जारी किए थे, जिसमें चीनी सेना अपने द्वारा बनाए गए ढांचों को तोड़ते हुए दिखाई दे रही है। कुछ फोटो वापसी के भी हैं।

पैंगोंग लेक इलाके से सेनाओं के बटने के बाद सेना अब तीन अन्य स्थानों- डेप्सांग, गोगरा और हॉट स्प्रिंग से टकराव खत्म करने और सेनाओं की पूर्ण वापसी और पेट्रोलिंग को लेकर रणनीति बनाने पर काम कर रही है। सेना के सूत्रों ने कहा कि इस महीने के आखिर में दोनों देशों के सैन्य कमांडरों के बीच दसवें दौर की वार्ता हो सकती है, जिसमें ये स्थान चर्चा का विषय होंगे।

हेमंत बिस्व सरमा की छवि खराब करने की कोशिश, मामले में चार पत्रकार समेत छह गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के मंत्री हेमंत बिस्व सरमा की छवि खराब करने की कोशिश करने के आरोप में बुधवार को चार पत्रकारों समेत छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। इनमें एक महिला भी शामिल है। इन सभी लोगों पर 'गंदे इरादे' से हेमंत बिस्व सरमा की अपनी बेटी के साथ फोटो शेयर करने का आरोप है। सभी आरोपितों को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के समक्ष पेश किए जाने के बाद पांच दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। गुवाहाटी शहर पुलिस आयुक्त मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने बताया कि एक स्थानीय न्यूज वेबसाइट-प्रतिबिंब लाइव - के प्रधान संपादक तौफीकुद्दीन अहमद और समाचार संपादक इकबाल को 'साजिश' की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। इनके अलावा दो और पत्रकारों- शिवसागर में स्पॉटलाइट असम के नांग नोयोंमोनी गोगोई तथा बोडोलैंड टाइम्स की पुलि मुचाहरि को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा है कि ऐसे किसी प्रयास के मामले में पोक्सो कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में मंत्री की पत्नी दिसपुर पुलिस थाना में पोक्सो कानून के तहत शिकायत दर्ज कराई थी। वेबसाइट पर मंत्री की अपनी बेटी को गले लगाते एक फोटो पोस्ट की गई थी, जो इंटरनेट मीडिया पर वायरल है। वहीं, मंत्री सरमा ने पत्रकारों से कहा कि यह राजनीतिक साजिश का एक स्पष्ट मामला है। लेकिन इस हद तक नीचे जाने से संबंधित लोगों की घटिया मानसिकता झलकती है। यह फोटो गलत इरादे से पोस्ट किया गया। यह बड़ा ही परेशान करने वाला है, जिससे वह रात भर सो नहीं सके।

बिहार : ग्वालियर- बरौनी एक्सप्रेस में डकैती, लूटपाट का विरोध करने पर बदमाशों ने यात्री को मारी गोली

छपरा। बिहार के बेखौफ हथियारबंद अपराधियों ने दिघवारा और सोनपुर स्टेशन के बीच ग्वालियर-बरौनी एक्सप्रेस में डकैती डाली। इस दौरान लूटपाट का विरोध करने पर बदमाशों ने उत्तरप्रदेश के इटावा निवासी एक यात्री के गोली मार दी। अपराधियों ने लूटपाट के दौरान एस5 बॉगी में सवार कई यात्रियों से मारपीट भी की।

सोनपुर - छपरा रेल खंड पर दिघवारा और सोनपुर स्टेशन के बीच गुरुवार किनदेर रात बरौनी- ग्वालियर मेल में हथियारबंद डकैतों ने 12 से अधिक यात्रियों से लूटपाट की और एक यात्री को गोली मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। घायल यात्री जनरल कोच जी-5 में सफर कर रहा था जो उत्तर प्रदेश के इटावा

का 22 वर्षीय शिवम यादव बताया जाता है। जख्मी हालत में उसे छपरा सदर अस्पताल में रेल थाना अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने भर्ती कराया। मालूम हो कि 10 से 12 डकैत अपने हाथ में धारदार हथियार और देसी कट्टा लेकर सवार थे। चलती ट्रेन में अपराधियों ने लूटपाट मचाना शुरू किया लेकिन ट्रेन में सफर कर रहे जब शब्बा सिंह यादव के बेटे शिवम ने इसका विरोध किया तो अपराधियों ने उसकी जांघ में गोली मार दी। फिलहाल घायल यात्री खतरे से बाहर बताया जाता है। रेल थानाध्यक्ष ने घायल यात्री का फर्द बयान दर्ज कर लिया है। रेल एसपी मुजफ्फरपुर अशोक कुमार सिंह ने इस घटना को काफी गंभीरता से लिया है। उन्होंने तत्काल अपराधियों की धरपकड़ को लेकर एक एसआईटी टीम का गठन किया है।अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस टीम छापेमारी कर रही है। उधर इस संबंध में रेल एसपी अशोक कुमार सिंह ने बताया कि इस घटना में शामिल सभी अपराधियों की पहचान कर ली गई है। पुलिस शीघ्र है इसका उद्भेदन कर लेगी। सीवान के अलावा सोनपुर, छपरा और आसपास के क्षेत्रों में रेल पुलिस टीम लगातार छापामारी कर रही है।

पेट्रोल राजस्थान के बाद अब इन राज्यों में पहुंच रहा 100 के करीब

नई दिल्ली। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आज भी कोई राहत नहीं मिली है। आज लगातार 10वें दिन तेल के दाम में बढ़ोतरी हुई है। गुरुवार को दिल्ली में पेट्रोल 32 पैसे प्रति लीटर चढ़ कर 89.88 रुपये पर चला गया। डीजल भी 32 पैसे उछल कर 80.27 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया, जो कि एक नया रिकॉर्ड है। देखें देश के प्रमुख शहरों में आज किस भाव पर बिक रहा पेट्रोल और डीजल...

10 महीने में डीजल के दामें में करीब 17 रुपये की बढ़ोतरी

साल 2021 में पेट्रोल अब तक 6.07 रुपये महंगा हो चुका है। हालांकि, जनवरी और फरवरी में महज 22 दिन ही पेट्रोल-डीजल के रेट बढ़े। मुंबई में तो पेट्रोल 96.32 रुपये पर पहुंच गया है, जो मेट्रो शहरों में सबसे ज्यादा है। वहीं इन्ही 22 दिनों में डीजल 06.40 रुपये प्रति लीटर महंगा हो चुका है। पिछले 10 महीने में ही इसके दाम में करीब 17 रुपये की बढ़ोतरी हो चुकी है।

शहर का नाम	पेट्रोल रुपये/लीटर	डीजल रुपये/लीटर
श्रीगंगानगर	100.49	92.47
दिल्ली	89.54	79.95
मुंबई	96	86.98
चेन्नई	91.68	85.01
कोलकाता	90.78	83.54
भोपाल	97.52	88.15
रांची	87.29	84.54
बेंगलुरु	92.54	84.75
पटना	91.91	85.18
चंडीगढ़	86.17	79.65
लखनऊ	88.06	80.33

ऐसे बढ़ जाता है पेट्रोल-डीजल का रेट

पेट्रोल व डीजल के दाम में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन और अन्य चीजें जोड़ने के बाद इसका दाम लगभग दोगुना हो जाता है। अगर केंद्र सरकार की एक्साइज ड्यूटी और राज्य सरकारों का वैट हटा दें तो डीजल और पेट्रोल का रेट लगभग 27 रुपये लीटर रहता, लेकिन चाहे केंद्र हो या राज्य सरकार, दोनों किसी भी कीमत पर टैक्स नहीं हटा सकती। क्योंकि राजस्व का एक बड़ा हिस्सा यहीं से आता है। इस पैसे से विकास होता है।

हर सुबह होती तय होती हैं कीमतें

दरअसल विदेशी मुद्रा दरों के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमत के आधार पर रोज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां कीमतों की समीक्षा के बाद रोज़ाना पेट्रोल और डीजल के रेट तय करती हैं। इंडियन ऑयल , भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम रोज़ाना सुबह 6 बजे पेट्रोल और डीजल की दरों में संशोधन कर जारी करती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कोरोना के खिलाफ

कोरोना मामलों में भारत में आ रही कमी प्रशंसनीय है, लेकिन नए मामलों का सामने आना कम नहीं हो रहा है। ज्यादा बड़ी चिंता तब उभरती है, जब विदेश से कोरोना का कोई नया स्ट्रेन या प्रकार भारत पहुंचता है। दिसंबर महीने में ब्रिटेन से भारत पहुंचा कोरोना स्ट्रेन सनसनी फैलाने में कामयाब रहा था और अब दक्षिण अफ्रीका व ब्राजील से भारत पहुंचे स्ट्रेन को लेकर विशेष रूप से दक्षिण भारत में तनाव है। बेंगलुरु हवाई अड्डे पर उचित ही जांच बढ़ा दी गई है। देश के दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर भी जांच बढ़ा देनी चाहिए। जब हम भारत में कोरोना के खिलाफ लड़ाई को 80 प्रतिशत से ज्यादा जीत चुके हैं, तब हमें लापरवाही का परिचय कदापि नहीं देना चाहिए। ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका से जो कोरोना भारत पहुंच रहा है, उसकी गंभीरता या संक्रमण शक्ति पर खास नजर रखने की जरूरत है। वैज्ञानिकों को पहले से ही अंदाजा था कि कोरोना के अलग-अलग वायरस सामने आएंगे और इससे डरने की कोई बात नहीं, लेकिन सावधानी के मोर्चे पर कोई ढिलाई नहीं होनी चाहिए। केवल दक्षिण अफ्रीका या ब्राजील से आने वालों पर ही नहीं, बल्कि विदेश से आने वाले हरेक यात्री को ठीक से जांचकर ही आम आबादी में प्रवेश देना चाहिए। हमें सावधानी के आजमाए हुए उपायों को भूलना नहीं चाहिए। ऐसे उपायों की वजह से ही भारत कोरोना के मोर्चे पर कुछ राहत की सांस ले रहा है। अब देश में सक्रिय मामले महज 1,36,549 बचे हैं, जबकि 18 सितंबर को सक्रिय मामलों की संख्या 10,17,754 तक पहुंच गई थी। मतलब, कोरोना के सक्रिय मामलों में 86.58 फीसदी की कमी आई है। संभव है, यदि हम कुछ और दिन सावधानी बरतें, तो मार्च में सक्रिय मामलों की संख्या एक लाख से नीचे ही रहेगी और रोजाना के नए मामले भी 10,000 से नीचे चले जाएंगे। यह किसी खुशी से कम नहीं कि वैश्विक सक्रिय मामलों में भारत की हिस्सेदारी अब 0.60 प्रतिशत ही बची है। दुनिया में हर 167 कोरोना पीड़ितों में भारतीयों की संख्या सिर्फ एक है। सक्रिय मामलों में हमारा देश दुनिया में 16वें स्थान पर आ गया है। याद कीजिए वह समय, जब हम दूसरे स्थान पर पहुंच गए थे। बहुत बुरा दौर निकल चुका है, लेकिन पूरी तरह छुटकारा पाने की कोशिशें जारी रहनी चाहिए। विशेष रूप से महाराष्ट्र और केरल जैसे अपेक्षाकृत विकसित राज्यों में जो कमियां सामने आ रही हैं, उन्हें जल्द से जल्द दूर करना होगा। नए मामलों को बढ़ते देख महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को लॉकडाउन की चर्चा करनी पड़ी है। कोशिश यही करनी चाहिए कि कहीं भी लॉकडाउन की स्थिति न बने, लोग स्वयं सावधानी बरतें। जांच, निगरानी और उपचार के जो निर्देश हैं, उनमें शिथिलता न आए। जांच व उपचार केंद्रों को बंद करने की जल्दी नहीं करनी चाहिए। इस बीच टीकाकरण अभियान में तेजी लाने की जरूरत है। देश में मंगलवार तक टीका लेने वालों की संख्या 89,99,230 तक पहुंच गई। इस अभियान में तेजी लाने के साथ ही दूसरी खुराक के लिए भी लोगों को प्रेरित करना होगा। दूसरी खुराक के बाद ही असल स्थिति सामने आएगी। दूसरी खुराक के नतीजे देखने के बाद मार्च महीने में टीका अभियान को और तेज करना होगा, ताकि टीकाकरण के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। दुनिया देख रही है, भारत कोरोना के खिलाफ एक मिसाल बनकर उभर रहा है।

आज के ट्वीट

दावत

भारत ठीक इज़राइल की राह पर आगे बढ़ रहा है ऐसा भारत जिसको आँखे दिखाना मौत को दावत देने जैसा है : बीबीसी

-- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

म्यांमार में तख्तापलट की पेचीदगियां

जी. पार्थसारथी

आज की तारीख में दुनियाभर में लोगों को सैन्य तानाशाही सख्त नापसंद है। इसके बावजूद सैन्य विद्रोह होते रहते हैं, खासकर अफ्रीका में। हालांकि अब वहां भी इनकी आवृत्ति पहले से काफी कम है, क्योंकि सैनिक शासकों का बहिष्कार होने लगता है और विदेशी सहायता बंद हो जाती है। लेकिन एशिया के दो देश-पाकिस्तान और म्यांमार- ऐसे हैं, जहां राष्ट्रीय मामलों और नीति निर्धारण में सेना का बहुत ज्यादा दखल है। पाकिस्तान में सेना ने अपने पास जो शक्तियां केंद्रित कर रखी हैं, वह नितांत असंवैधानिक हैं। वहां सेना ने खुल्लम-खुल्ला मुख्य ताकत अपने हाथों में समेट रखी है, तख्तापलट के डर के मारे कोई सिविलियन सरकार सेना को चुनौती देने का साहस नहीं करती। इसके अलावा पाकिस्तानी सेना को मालूम है कि कैसे राजनेताओं को अपने इस्तेमाल के लिए इशारों पर नचाना है और जब कोई नागवार बन जाए तो रद्दी की टोकरी में कब डालना है। इस सबके बावजूद अमेरिकी सरकार ज्यादातर समय पाकिस्तानी सेना की इस असंवैधानिक भूमिका को लेकर सहज रही है। म्यांमार ने वर्ष 1948 में ब्रितानवी हुकूमत से आजादी पाई थी। इसके बाद 1962 से 2011 तक वहां सैनिक शासन रहा था। हालांकि सेना के दबदबे वाली सरकार ने वर्ष 2015 तक राज किया था। इसके बाद वर्ष 2016 में आंग सान सू की, की पार्टी, नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी द्वारा आम चुनाव जीतने के बाद वे अपरोक्ष शासक रही थीं। हालांकि 2008 में बनाए गए म्यांमार के संविधान के मुताबिक रक्षा और आंतरिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विभागों का कामकाज सेना के पास रहता है। संसद में 110 सीटें सेना के लिए आरक्षित हैं। एक विदेशी से शादी करने की वजह से सू की को म्यांमार का राष्ट्रपति बनने के अयोग्य करार दिया गया था। किंतु उन्होंने बतौर 'स्टेट काउंसलर' रहकर राजशक्ति अपने हाथ में रखने का जुगाड़ कर लिया था, जबकि राष्ट्रपति पद महज प्रतीकात्मक बनकर रह गया था। जनरल आंग सान, जिन्हें म्यांमार का संस्थापक पिता माना जाता है और देश के पहले राष्ट्रपति भी थे, उनकी बेटी सू की ने इस कमी के बावजूद बड़ी दक्षता से राजसत्ता को अपने पास रखा और जनाधार वाला समर्थन भी अर्जित कर लिया था। अपने जन्म से ही म्यांमार जातीय गुटों के विद्रोहों से पीड़ित रहा है। आज भी लगभग 31 जातीय बागी संगठन सक्रिय हैं, जिनके नियंत्रण में देश का काफी बड़ा हिस्सा है। इनमें से कुछ को धन और हथियार चीन से मिलते हैं। लेकिन पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए अदूरदर्शी प्रतिबंधों के कारण चीन ने वहां आर्थिक और राजनीतिक रूप से मजबूत पैर जमा लिए हैं। पिछले तीन दशकों से भारत ने दक्षतापूर्ण कूटनीति की बदौलत म्यांमार के सैनिक और राजनेताओं से अच्छे संबंध बनाकर रखे हैं। भारत द्वारा दी गई आर्थिक मदद से म्यांमार की संचार सेवाओं में सुधार हुआ है और इससे वहां आईटी सुविधाओं का विकास हो पाया है। भारतीय सहायता से म्यांमार के सीमांत इलाकों में सड़कें विकसित हुई हैं। बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित सित्वे बंदरगाह को हाल ही में भारत ने विकसित किया है। यह सुविधा भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय और असम की पहुंच समुद्र तक करने में बहुमूल्य योगदान करेगी। हालांकि अन्य कई देशों, जैसे कि सिंगापुर, थाईलैंड, जापान, दक्षिण कोरिया और वियतनाम की कंपनियां भी वहां अपना काम धंधा बढ़ाने में लगी हैं। भारत ने हाल ही में म्यांमार को पहली पनडुब्बी मुहैया करवाई है परंतु म्यांमार में आर्थिक निवेश और व्यापार करने वाली भारत की निजी कंपनियां लगभग न के बराबर हैं। चीन से नजदीकी होने के बावजूद म्यांमार ने भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों के विभिन्न विद्रोही गुटों की गतिविधियों को नकेल डालने अथवा खत्म करने में काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिसके बूते पर भारत अपने उत्तर-पूर्वी सूबों में आतंक मचाने वाले सशस्त्र विद्रोहियों को काफी हद तक कमजोर करने या लगभग समाप्त कर पाया है। भारत के अनेक पृथकतावादी संगठन जैसे कि नागालैंड का एनएससीएन (खपलांग) और एनएससीएन (आईएम) गुट, असम का उल्फा और मणिपुर के विद्रोही संगठनों के कारकुन आमतौर पर म्यांमार में दाखिल होते रहते हैं और स्थानीय पृथकतावादी गुटों जैसे कि काचिन इंडिपेंडेंस आर्मी के साथ घनिष्ठ संबंध बना रखे हैं। इसके बाद यह लोग साथ लगते चीन के युन्नान प्रांत में जा घुसते हैं, जहां उनको पनाह मिलने के अलावा हथियारों का प्रशिक्षण और लैस करने का काम किया जाता है और भारत में सशस्त्र विद्रोह फैलाने के लिए उकसाया जाता है। भारत ने भी म्यांमार के सशस्त्र पृथकतावादी गुट जैसे कि अराकान आर्मी को अपनी भूमि पर अड्डे बनाने से रोके रखा है। इन गुटों से निपटने में भारत और म्यांमार ने नजदीकी सहयोग बनाकर काम किया है। इस बात की आशंका से म्यांमार में स्थितियां काबू से बाहर हो सकती हैं, भारत ने आम चुनाव से पहले सेनाध्यक्ष जनरल नरवाणे और विदेश सचिव हर्षवर्धन शिंगला को अक्तूबर माह में दौरे पर भेजा था। चीन के विदेश मंत्री ने भी इसकी नकल करते हुए वहां दौरा किया था। कोई हैरानी नहीं कि आंग सान सू की, की पार्टी नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी ने 330 सीटों में से 258 प्राप्त कर दुबारा पूर्ण बहुमत प्राप्त कर सत्ता हासिल कर ली थी। सेना को संसद में अपने कोटे के 110 उम्मीदवारों को नामांकित करना था। म्यांमार के संविधान के अनुसार संसद का अधिवेशन 3 फरवरी को होना था, लेकिन 2 फरवरी को सेना ने तख्तापलट कर सू की एवं उनके समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही, लोगों द्वारा किए जाने वाले आंदोलन को रोकने के लिए छापेमारी शुरू कर दी। पश्चिमी ताकतें, जो हाल तक आंग सान सू की, की इस बात को लेकर आलोचक रही थीं कि उन्होंने सेना द्वारा रोहिंग्या मुसलमानों पर क्रूर सांप्रदायिक सैनिक कार्रवाई का समर्थन किया है और जिसकी वजह से उन्हें बांग्लादेश और भारत में शरण लेनी पड़ी थी, अब वही मुल्क सू की को रिहा करने की मांग कर रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान वाले जी-7 संगठन और यूरोपियन यूनियन देशों ने म्यांमार की सेना को कहा है कि आपातकाल को तुरंत हटाया जाए और सत्ता पुनः लोकतांत्रिक ढंग से चुनी सरकार को सौंप दे। यह भी तय है कि म्यांमार में सैन्य शासन खत्म करने और लोकतंत्र बहाली को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा उठाए किसी भी कदम को रूस और चीन वीटो कर देंगे। इसके अलावा म्यांमार के दक्षिण एशियाई पड़ोसी देशों में आसियान संगठन के सदस्य उस पर प्रतिबंध लगाने के खिलाफ हैं। जापान और भारत म्यांमार में बनी स्थिति से निपटने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। जापान का मानना है कि म्यांमार को अलग-थलग कर देने का मतलब है सेना का चीन के पहलू में जा बैठना। भारत को इसलिए जापान के साथ सहयोग करना होगा, जैसा कि विगत में किया है, ताकि नागवार गतिरोध बनने से रोकने को बातचीत जारी रहे। पाकिस्तान और श्रीलंका की बनिस्पत म्यांमार की सरकार चीन के कर्ज-मकड़जाल में फंसने से बचने को काफी सतर्क रही है। भारत और जापान को संयुक्त रूप से अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया को यह अहसास करवाना होगा कि म्यांमार को अलग-थलग करके वे वहां चीन की अधिक उपस्थिति का मौका दे रहे हैं, जिससे कि उसे आगे बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाने में मदद मिलेगी।

लेखक पूर्व राजनयिक हैं।

ज्ञान गंगा

नैतिकता

श्रीराम शर्मा आचार्य/ प्रकृति की मर्यादाओं-नियत नियमों के अनुकूल दिशा में चलकर ही सुखी, शांत और संपन्न रहा जा सकता है। इसी को नैतिकता भी कहा जा सकता है। जिस प्रकार प्रकृति की व्यवस्था में प्राणियों से लेकर ग्रह-नक्षत्रों का अस्तित्व, जीवन और गति-प्रगति सुरक्षित है, उसी प्रकार मनुष्य जो करोड़ों, अरबों की संख्या वाले मानव समाज का सदस्य है, नैतिक नियमों का पालन कर सुखी व संपन्न रह सकता है। नैतिकता इसीलिए आवश्यक है कि अपने हितों को साधते हुए उन्हें सुरक्षित रखते हुए दूसरों को भी आगे बढ़ने दिया जाए। एक व्यक्ति बेइमानी करता है और उसके देखा-देखी दूसरे व्यक्ति भी बेइमानी करने लगें तो किसी के के लिए भी सुविधापूर्वक जी पाना असंभव हो जाएगा। इसी कारण ईमानदारी को नैतिकता के अंतर्गत रखा गया है कि व्यक्ति उसे अपना कर अपनी प्रामाणिकता, दूरगामी हित, तात्कालिक लाभ और आत्मसंतोष प्राप्त करता रहे तथा दूसरों के जीवन में कोई व्यतिक्रम उत्पन्न न करे। नैतिकता का अर्थ सार्वभौम नियम भी किया जा सकता है। सार्वभौम नियम अर्थात् वे नियम जिनका सभी पालन कर सकें और किसी को कोई हानि न हो, प्रत्युत लाभ ही मिलें। जैसे दूसरों से अच्छाइयां ग्रहण करना। अच्छाइयों से अच्छाइयां बढ़ती हैं, ग्रहणकर्त्ता में कौशल और सुगढ़ता आती है और इससे सब प्रकार लाभ ही होता है। किंतु दूसरों के अधिकार या उनके अधिकार की वस्तुएं छीनने का क्रम चल पड़े, तो अव्यवस्था उत्पन्न हो जाएगी, कोई भी सुखी नहीं रह सकेगा। फिर तो जानवरों की तरह ताकतवर कमजोर को दबा देगा, उसकी वस्तुएं छीन लेगा और ताकतवर को उससे अधिक ताकतवर दबा देगा। इसी कारण समाज में नैतिक मर्यादाएं निर्धारित हुई हैं। धर्म कर्त्तव्यों, मर्यादाओं एवं नैतिक आचरण की कसौटी यह भी है कि किसी कार्य को करते समय अंतरात्मा की साक्षी ले ली जाए। यकायक किसी में अनैतिक आचरण का दुस्साहस पैदा नहीं होता। जब भी कोई व्यक्ति किसी बुरे काम में प्रवृत्त होता है, तो उसका हृदय धक-धक् करने लगता है। शरीर से पसीना छूटता है और उसे प्रतीत होता है कि कोई उसे इस कार्य के लिए रोक रहा है। जब कभी ऐसा लगे तो सावधान हो जाना चाहिए, उस काम से पीछे हट जाना चाहिए। जिस काम को करने में अंदर से प्रसन्नता और आनंद महसूस न हो, समझना चाहिए वह काम नैतिकता के अंतर्गत नहीं है, उसे त्याग देना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कारगर रणनीति से होगा मुकाबला

ज्ञानेन्द्र रावत

बीती 12 फरवरी को रात्रि ताजिकिस्तान में आये 6.3 रिएक्टर स्केल और अमृतसर में ठीक उसके 3 मिनट बाद 6.1 रिएक्टर स्केल के भूकंप से कोई जन-धन के नुकसान की सूचना नहीं है। ताजिकिस्तान में जमीन के अंदर 80 किलोमीटर इस भूकंप का केन्द्र बताया जा रहा है। उत्तर भारत के हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, चंडीगढ़, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, नोएडा सहित राजधानी दिल्ली में भूकंप के झटके महसूस किए गए। कहीं मकान की दीवारों में दरारें आने की खबरें हैं तो कहीं छत चटकने की। गौरतलब है कि बीते साल 12-13 अप्रैल, 3 मई, 10 मई, 15 मई, 28-29 मई के बीच भी देश की राजधानी दिल्ली में तकरीबन 18 भूकंप के झटके महसूस किये गए थे। उस समय दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भूकंप से बचाव हेतु एक जागरूकता अभियान भी चलाया था। इससे पहले 24 सितम्बर 2019 को पाक अधिकृत कश्मीर में आये 5.8 रिएक्टर पैमाने के भूकंप से भारी तबाही हुई थी। भूकंप से इस बार ताजिकिस्तान या भारत में भले ही जानमाल का नुकसान न हुआ हो लेकिन इतना तय है कि भारत में भूकंप के खतरे से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। भले दावे कुछ भी किये जायें, असलियत यह है कि भूकंप के खतरे से निपटने की तैयारी में हम बहुत पीछे हैं। यह कटु सत्य है कि मानव आज भी भूकंप की भविष्यवाणी कर पाने में नाकाम है। अर्थात भूकंप को हम रोक नहीं सकते लेकिन जापान की तरह उससे बचने के प्रयास तो कर ही सकते हैं। जरूरी है हम उससे जीने का तरीका सीखें। हमारे देश में सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि लोगों को भूकंप के बारे में बहुत कम जानकारी है। फिर हम भूकंप को दृष्टिगत रखते हुए विकास भी नहीं कर रहे हैं। बल्कि अंधाधुंध विकास की दौड़ में बेतहाशा भागे ही चले जा रहे हैं। दरअसल हमारे यहां सबसे अधिक संवेदनशील जोन में देश का हिमालयी क्षेत्र आता है। हिन्दूकुश का इलाका, हिमालय की ऊंचाई वाला और जोशीमठ से ऊपर वाला हिस्सा, उत्तर-पूर्व में शिलांग तक धारचूला से जाने वाला, कश्मीर का और कच्छ व रण का इलाका भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील जोन-5 में आते हैं। इसके अलावा देश की राजधानी दिल्ली, जम्मू और महाराष्ट्रतक का देश का काफी बड़ा हिस्सा भूकंपीय जोन-4 में आता है। देखा जाये तो भुज, लातूर और उत्तरकाशी में आए भूकंप के बाद यह आशा बंधी थी कि सरकार इस बारे में अतिशीघ्र ठोस रणनीति बनाएगी, मगर ऐसा हुआ नहीं। देश की राजधानी दिल्ली सहित सभी महानगरों में गगनचुम्बी बहुमंजिली इमारतों, अट्टालिकाओं की शृंखला शुरू हुई, जिसके चलते आज शहर-महानगरों-राजधानियों और देश की राजधानी में कंक्रीट की आसमान छूती मीनारें ही मीनारें दिखाई देती है। यह सब बीते पंद्रह-बीस सालों के ही विकास का नतीजा है। जाहिर सी बात है कि इनमें से दो प्रतिशत ही भूकंपरोधी तकनीक से बनायी गई हैं। यही बहुमंजिली आवासीय इमारतें भूकंप आने की स्थिति में भारी तबाही का कारण बनेंगी। हमारे यहां अशिक्षा, गरीबी, भुखमरी, बढ़ती आबादी के कारण अनेक समस्यायें हैं। आधुनिक निर्माण सम्बंधी जानकारी, जागरूकता व जरूरी कार्यकुशलता का अभाव है, इससे जनजीवन की हानि का जोखिम और बढ़ गया है। ऐसी स्थिति में पुराने मकान तोड़े तो नहीं जा सकते लेकिन भूकंप संभावित क्षेत्रों में नये मकानों को हल्की सामग्री से बना तो सकते हैं। इसमें मात्र 5 फीसदी ही अधिक धन खर्च होगा। हमें संकट के समय खतरों के बारे में जानना व उसके लिए तैयार रहना चाहिए। इस बात का ध्यान रखें कि देश ही नहीं, दुनिया में संयुक्त राष्ट्र के नियमों के मुताबिक बचाव नियमों का पालन नहीं हो पा रहा है और देशवासी मौत के मुहाने पर खड़े हैं। इसलिए उन्हें खुद कुछ करना होगा। सरकार के बूते कुछ नहीं होने वाला, तभी भूकंप के साये से कुछ हद तक खुद को बचा सकेंगे। स्थिति की चुनौती को सरकार खुद स्वीकार भी कर चुकी है। निष्कर्ष यह कि भूकंप से बचा जा सकता है लेकिन इसके लिए समाज, सरकार, वैज्ञानिक और आम जनता सबको प्रयास करने होंगे। जहां तक सरकार का सवाल है, उसे नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट के भूकंप से बचाव के प्रस्ताव पर अमल करने में अब देरी नहीं करनी चाहिए। यह समय की मांग है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हल्दीराम ने हेल्दी फूड के बिजनेस में ली एंट्री

नई दिल्ली. फूड एंड बेवरेज कंपनी हल्दीराम हेल्दी फूड और बेवरेज की बढ़ती खपत को देखते हुए इस बाजार में उतर आई है। इसके लिए कंपनी ने दक्षिण अफीकी न्यूट्रीशनल फूड ब्रांड फ्यूचरलाइफ के साथ टाईअप किया है। कंपनी ने कहा है कि ये न्यूट्रीशनल फूड प्रोडक्ट्स उत्तर भारत के सभी प्रमुख राज्यों में उपलब्ध होंगे। इसके अलावा ये प्रोडक्ट्स हल्दीराम के सभी आउटलेट्स के अलावा अन्य रिटेल प्लेटफार्म जैसे अमेजॅन, बिग बाजार, फ्लिपकार्ट, मिल्क बास्केट, बिग बास्केट और ग्रोफर्स में भी उपलब्ध होंगे। इन दोनों कंपनियों ने 4 प्रोडक्ट्स की एक रेंज लॉन्च की है। इसमें स्मार्ट फूड्स, स्मार्ट ओट्स और प्राचीन अनाज, क्रंची ग्रेनोला और हाई प्रोटीन रेंज शामिल है। हल्दीराम के एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर ए.के.त्यागी ने कहा, हमने देखा है कि लोगों को रुझान केवल हेल्दी फूड्स की ओर ही नहीं बढ़ रहा है, बल्कि लोग अब नए और गैर-पारंपरिक फूड प्रोडक्ट्स भी चाहते हैं। फ्यूचरलाइफ के साथ हमारी साझेदारी को लेकर भी हम खासे उत्साहित हैं और उत्तर भारत में अपने रिटेल स्टोर्स के जरिए इन प्रोडक्ट्स की बिक्री करने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

नारियल तेल : बालों की देखभाल के लिए पूरी दुनिया की पसंद

नई दिल्ली. भले ही हमारे देश में बालों की अच्छी देखभाल के लिए नारियल का तेल हमेशा से इस्तेमाल होता आ रहा है, लेकिन अब पश्चिमी देशों में भी यह लोकप्रिय हो रहा है। यहां तक कि कई हॉलीवुड सेलिब्रिटीज भी इसके दीवाने हैं। बालों के लिए जरूरी पौष्टिक और मॉइस्चराइजिंग गुणों से भरपूर यह तेल अब पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो गया है। नारियल तेल के औषधीय गुणों पर हुए एक अध्ययन में सामने आया है कि यह तेल विटामिन सी और ई से समृद्ध है। साथ ही इसमें एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण हैं जो हमारे सिर की त्वचा को स्वस्थ रखता है। क्या आपने कभी कल्पना की होगी कि जिस तरह हम अपने बचपन में चंपी लेते थे, उसी तरह हॉलीवुड सेलिब्रिटीज भी चंपी ले रहे हों। हालांकि अब वाकई में ऐसा हो रहा है। नारियल तेल के लाभों ने पूरे पश्चिम को इस तेल का मुरीद बना दिया है। बल्कि कई सेलिब्रिटी तो इसे 'चमत्कारिक लिक्विड' भी कहने लगे हैं। इसके पीछे मजबूत तर्क भी है, क्योंकि यह एकमात्र तेल है जो ज्यादा से ज्यादा फायदा देने के लिए बालों के रोम में अंदर जाकर 10 परतों को पोषण देता है। इस तेल के जरिए सबसे अच्छे नतीजे पाने के लिए बढ़िया तरीका है कि तेल की कुछ बूंदे लेकर बालों की पूरी लंबाई में और अपने सिर की स्किन पर लगाएं। फिर इसे कम से कम 30 मिनट या पूरी रात के लिए इसी तरह छोड़ दें और अगली सुबह सामान्य तरीके से शैम्पू करें। अब वे दिन लद गए जब लोग ढेर सारे केमिकल्स वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते थे। अब दुनिया प्राकृतिक चीजों को अपना रही है और इसमें नारियल तेल एक ऐसा प्रोडक्ट है, जिसे पसंद करने वालों की तादाद बहुत बड़ी है। एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर यह तेल आपके बालों को वह केयर देता है, जो उनके लिए जरूरी है। यही वजह है कि दुनिया भर की मशहूर हस्तियां अपने बालों में नारियल तेल लगा रही हैं। फिर चाहे वह मिरांडा केर हों, मिंडी कालिंग मैरी-केट, एशले ऑलसेन, केली ओस्बॉर्न, कर्टनी कार्दशियां, लुसी हेल हों या प्रियंका चोपड़ा जोनस हों। यह सभी अपने बालों के सही पोषण और उनकी मजबूती के लिए नारियल के तेल पर ही भरोसा कर रही हैं। प्रियंका चोपड़ा जोनस ने बताया है कि वह नारियल के तेल को गर्म करके अपने सिर की मसाज करती हैं और फिर उसके बाद गर्म पानी से भीगे तौलिए से अपने बालों को स्टीम देती हैं। इसके बाद वह बालों में शैम्पू और कंडीशनिंग करती हैं। उन्होंने कहा है, मुझे लगता है कि मेरे बाल बहुत अच्छे हैं और ऐसे बेरहम प्रोफेशन के बावजूद स्वस्थ हैं।

सेंसेक्स 379 अंक लुढ़का, निफ्टी 15200 के नीचे आया

मुंबई, (एजेंसी)

वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के बीच एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी लि., आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे शेयरों में गिरावट के साथ बीएसई सेंसेक्स में बृहस्पतिवार को 379 अंक की गिरावट आयी। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 379.14 अंक यानी 0.73 प्रतिशत टूटकर 51,324.69 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 89.95 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 15,118.95 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक नुकसान में बजाज फाइनेंस रही। इसमें 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आयी। इसके अलावा कोटक बैंक, नेस्ले इंडिया, एचडीएफसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक में भी गिरावट रही। दूसरी तरफ ओएनजीसी को सर्वाधिक 8 प्रतिशत का लाभ हुआ। इसके अलावा लाभ में रहने वाले अन्य शेयरों में एनटीपीसी, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, पावरग्रिड और इंडसइंड बैंक शामिल हैं। विश्लेषकों के अनुसार निजी बैंकों,

वाहन और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली से इन वर्गों के सूचकांक नीचे आये। आनंद राठी के इक्विटी शोध प्रमुख (फंडामेंटल) नरेंद्र सोलंकी ने कहा कि भारतीय बाजार शुरूआती लाभ को बरकरार नहीं रख पाये और कमजोर वैश्विक रुख के बीच बिकवाली दबाव के कारण दोपहर कारोबार में इसमें गिरावट आने लगी। निवेशकों को आर्थिक आंकड़े का इंतजार है।

नियमन में न लाएं कच्चे तेल का उत्पादन

नई दिल्ली.

पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पेट्रोलियम निर्यात करने वाले देशों के संगठन (ओपेक) के सदस्यों से अनुरोध किया है कि कच्चे तेल के उत्पादन का नियमन रोकें और कीमतें कम करें। प्रधान ने एनर्जी आउटलुक पर आईईए-आईईएफ-ओपेक सिंपोजियम में बोलते हुए यह कहा। सिंपोजियम में बोलते हुए प्रधान ने इस बात पर जोर दिया कि कच्चे तेल के दाम में तेजी से तेल खपत करने वाले देशों और वैश्विक आर्थिक रिकवरी पर बुरा असर पड़ रहा है। प्रधान ने कहा, खपत आधारित रिकवरी की तात्कालिक जरूरत है, जैसा कि भारत सहित कुछ उभरती अर्थव्यवस्थाओं में हो रहा है। पिछले कुछ सप्ताहों के दौरान तेल के दाम में बढ़ोतरी से वैश्विक आर्थिक रिकवरी की नाजुकता को बढ़ा रहा है और इससे मांग में संकुचन आ रहा है। प्रमुख उत्पादक देशों ने न सिर्फ पहले के घोषित स्तर की तुलना में उत्पादन में कटौती बढ़ा दी है बल्कि अतिरिक्त स्वैच्छिक कटौती की है। प्रधान ने कहा कि पिछले साल अप्रैल महीने में तेल उत्पादन करने वाले देशों द्वारा तेल उत्पादन में कटौती करने के संयुक्त फैसले का समर्थन किया था, क्योंकि कोविड-19 महामारी के कारण मांग में तेज गिरावट आई थी। लेकिन मौजूदा परिदृश्य में तेल उत्पादक देशों को उत्पादन के मसले पर फिर से विचार करना चाहिए।

रियलमी रेस को 'जीटी 5जी' के रूप में 4 मार्च को किया जाएगा लॉन्च

नई दिल्ली। रियलमी ने आज अपने आगामी फ्लैगशिप स्मार्टफोन को लॉन्च करने का ऐलान कर दिया है। इसका कोडनेम 'रेस' रखा गया है, जिसे आधिकारिक तौर पर रियलमी जीटी के नाम से दुनियाभर में 4 मार्च को पेश किया जाएगा। कंपनी के मुताबिक, इस सीरीज के स्मार्टफोन में परफॉर्मेंस का खास ध्यान रखते हुए इसे युवाओं के अनुरूप बनाया गया है। रियलमी इंडिया और यूरोप के सीईओ और रियलमी के वाइस-प्रेसिडेंट माधव सेठ ने अपने बयान में कहा है, रियलमी जीटी हमारे ब्रांड के टैगलाइन 'डेयर टू लीप' पर आधारित है और यह इस बात की ओर एक इशारा है कि इस साल अपने ग्राहकों के लिए रियलमी के पिटारे में क्या कुछ है। रियलमी जीटी इनोवेशन, डिजाइन और प्रोडक्ट वैल्यू के हमारे सिद्धांत का प्रतिनिधित्व करता है। यह कुछ ऐसा है जिससे युवा खुद को जोड़ पाते हैं। रियलमी जीटी, जीटी स्पोर्ट्स कार के कॉन्सेप्ट पर आधारित है, जिसे हाई स्पीड और लॉन्ग डिस्टेंस के लिए डिजाइन किया गया था। इसमें बेहतरीन परफॉर्मेंस और कुछ अन्य विश्वसनीय खूबियां भी हैं। यह नया स्मार्टफोन क्व॰लकम स्नैपड्रैगन 888 प्रोसेसर से लैस है। साल 2020 में रियलमी ही पहली निर्माण कंपनी थी, जिसने रियलमी एक्स50 प्रो 5जी में क्व॰लकम स्नैपड्रैगन 865 5जी मोबाइल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया था।

क्या वर्क फ्रॉम होम एक बेहतर विकल्प नहीं हो सकता?

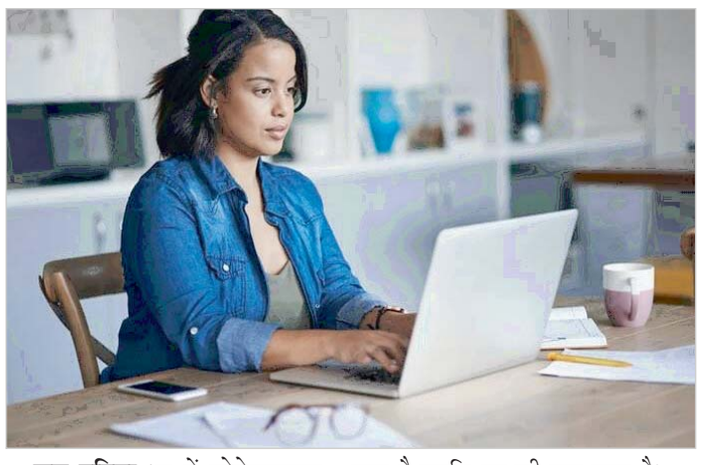

जब दुनिया भर में कोरोनावायरस के संक्रमण बढ़ रहे थे तब तमाम कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम (घर से काम करने) की इजाजत दी। दरअसल, कोरोना वायरस की वजह से लॉकडाउन लगाया गया और लॉकडाउन की वजह से वर्क फ्रॉम होम की परंपरा ने तेजी पकड़ी। इसने हमारी कार्य संस्कृति को बदलकर रख दिया। कई टेक फर्मों ने अपने सभी कर्मचारियों को अनिश्चितकाल तक रिमोट वर्क की अनुमति दी है। लेकिन कई लोग ऐसा मानते हैं कि ऑफिस से बाहर काम करना उत्पादकता में कमी लाता है जबकि यह पूरी तरह गलत है। अमेरिका के स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में हुए 2 साल का शोध कहता है और दावा करता है कि घर से काम करना असल में कर्मचारी संतुष्टि के साथ-साथ उत्पादकता भी बढ़ाता है। जब हमारे पास इसका प्रमाण है, तो हम में से ज्यादा लोग वर्क फ्रॉम होम क्यों नहीं करते? ऐसा इसलिए है क्योंकि असल में हम ऐसा करना नहीं चाहते। घर से काम करने का अभी कुछ समय तक इतना प्रचलित ना होने का सीधा कारण ये है कि इंसान एक सामाजिक प्राणी है, और हम में से कई जिन्होंने घर से काम करके देखा है, अकसर अपने आपको अकेला पाते हैं।हालांकि बिजनस के दृष्टिकोण से, अपने कर्मचारी से घर से काम करवाना एक समझदारी वाली बात है। सबसे जाहिर चीज़ है किराया। काम करने की जगह आजकल बहुत महंगी है, लेकिन ऑफिस से बाहर काम करना एक बढ़िया तरीका है, जो आपको अपने बजट में रखता है।उदाहरण के लिए, जब चीन की सबसे बड़ी ट्रेवल एजेंसी के सीईओ ने अपने कुछ कर्मचारियों को 9 महीनों तक घर से काम करने दिया, तो उसने सिर्फ किराये पर ही 2000 डॉलर प्रति कर्मचारी पर बचाये थे। उनके कर्मचारियों ने भी काम पर आने-जाने के लिए पैसे खर्च ना करके पैसे बचाये। लेकिन एक बार के लिए हम पैसों से हटकर, जॉब सैटिस्फैक्शन और काम में बढ़त पर ध्यान दें तो कर्मचारी काम करने के समय में लचीलापन होने के कारण ज्यादा मेहनत करने के लिए प्रेरित होते हैं। हम एक ऐसे विश्व की कल्पना करना शुरू कर सकते हैं जहां घर से काम करना एक नया कायदा हो। इससे ना सिर्फ सामान्य कर्मचारी ज्यादा कुशल बनेंगे, बल्कि इसका दूसरा फायदा घरों के दामों में कमी होगी। इसके अलावा, घर से काम करना वातावरण के लिए भी बहुत अच्छा है। पिछले कुछ अर्से से प्रदूषण रूपी महामारी भी हमारे महानगरों में फैल चुकी है, शुद्ध हवा में सांस लेना अब एक सपना जैसा हो गया है, लेकिन वर्क फ्रॉम होम शायद हमारे सपने को सच कर दे।देखा जाए तो साल 2007 में, यूएस पेटेंट ऑफिस ने लगभग 3000 कर्मचारियों को एक साल तक घर से काम करने दिया, जिससे ईंधन के खर्चों पर करीब 20 लाख डॉलर की बचत हुई और वातावरण में 9600 टन कार्बन का उत्सर्जन नहीं हुआ।इतना ही नहीं, वर्क फ्रॉम होम के विकल्प से हमें यातायात में लगने वाले जाम की समस्या व घंटों आवगमन में सुबह और शाम समय के व्यर्थ होने वाले समय की समस्या, पार्किंग की समस्या से काफी हद तक मुक्ति मिलने की संभावना बनती है।

यकीनन, वर्क फ्रॉम होम से हमारे श्रम, धन और समय में बहुत बचत होगी। साथ ही, शहरों को उसके पर्यावरण और आर्थिक विकास की गतिशीलता बनाये रखने में अहम योगदान भी रहेगा।

इंडिया इंक कोरोना खत्म कराने में निभा सकता है अहम भूमिका, : सीआईआई

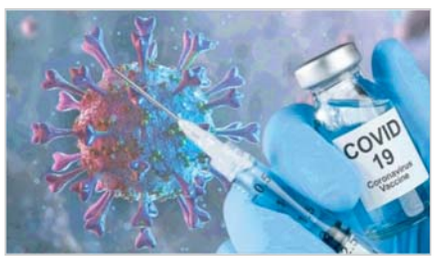

उद्योग संगठन

सीआईआई ने गुरुवार को कहा कि इंडिया इंक बड़े पैमाने पर एंटी-कोविड टीकाकरण अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। सीआईआई के वैक्सीन टास्क फोर्स के प्रेसीडेंट डेजिग्नेट चेयरमैन टी.वी, नरेंद्रन ने एक बयान में कहा, ÷इंडस्ट्री सरकार के कार्यक्रम में उचित जांच और संतुलन के साथ तीन चरणों में परिकल्पना के साथ योगदान दे सकता है, ताकि आबादी के उन वर्गों तक वैक्सीन पहुंच सके, जो देश के आर्थिक पुनरुत्थान में योगदान कर सकते हैं. प्रभावी टीकाकरण अभियान को लेकर सीआईआई ने कोविड-19 वैक्सीन पर एक उच्च-स्तरीय टास्कफोर्स का गठन किया है.इसके अलावा, उद्योग निकाय ने इस तथ्य का संज्ञान लिया है कि 50 साल से अधिक उम्र के लोगों को टीका लगाने का दूसरा चरण एक विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण कार्य होगा, जिसमें महत्वपूर्ण रूप से बढ़े हुए टीकाकरण स्थलों और वैक्सीनेटर्स की आवश्यकताएं हैं.

सीआईआई के अहम सुझाव

चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए, सीआईआई तीन प्रमुख सिफारिशों के साथ सामने आया है.बयान में कहा गया, सबसे पहले, टीकाकरण कार्यक्रम में तेजी लाने के लिए उद्योग की भागीदारी पर विचार करें. यह सुझाव दिया गया है कि कार्यस्थल पर काम करने वालों के लिए तेजी से रॉलआउट सुनिश्चित करने के लिए और व्यावसायिक उद्यमों को अपने कर्मचारियों को टीका लगाने की अनुमति दी जा सकती है.

चेक और बैलेंस पर हो नजर

उद्यम सीएसआर आधार पर आसपास के समुदायों के लिए वैक्सीन रोलआउट में भी सहायता कर सकते हैं. दूसरा, सीआईआई ने सुझाव दिया कि उपयुक्त चेक और बैलेंस के साथ निजी प्रदाताओं को टीकाकरण करने की अनुमति दी जाए और सरकार को उपलब्ध उपलब्ध टीकों का उपयोग करने के साथ-साथ सभी आवश्यक मानदंडों और अनुपालनों के साथ टीकाकरण की संख्या बढ़ाई जाए.

इकोनॉमी पर पटरी पर लाने में अहम भूमिका

इसने कहा कि यह सरकार को अपने निर्धारित लक्ष्य प्राथमिकता वाले समूहों तक जल्दी पहुंचने की अनुमति देगा, जो कार्यबल को काम पर वापस लाने और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए महत्वपूर्ण होगा. तीसरी सिफारिश में, सीआईआई ने कहा कि निजी क्षेत्र के लिए टीकाकरण प्रक्रिया को खोलकर, टीके लेने के इच्छुक लोगों का बड़ा समूह एक्सपायरी अवधि के भीतर टीकों का पूर्ण उपयोग करने में सक्षम होगा.

ट्रंप के कैम्पेन ऐप को प्ले स्टोर से हटाया गया, गूगल के नीतियों का उल्लंघन का आरोप

गूगल ने नीतियों का उल्लंघन करने के चलते पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कैम्पेन ऐप (2020) को अपने प्ले स्टोर से हटा दिया है। एंड्रॉयड पुलिस ने सबसे पहले इस बात की जानकारी दी है कि इस ऐप में कोई भी कंटेंट लोड नहीं हो पा रहा है और लगता है कि इसे हटा दिया गया है। नवंबर, 2020 में चुनाव के बाद से ही ऐप के एंड्रॉयड और आईओएस दोनों ही वर्जन ऑनलाइन एक्टिव नहीं है और हाल के दिनों में इनमें कोई अपडेट होता नजर भी नहीं आया है। प्ले स्टोर वर्जन को 30 अक्टूबर के बाद से ही अपडेट नहीं किया गया है। बुधवार को गूगल के एक प्रवक्ता के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है, ट्रंप 2020 कैम्पेन ऐप ने हाल ही में काम करना बंद कर दिया है और इस पर बात करने के लिए हमने कई बार डेपलपर संग संपर्क करने की कोशिश की है।प्रवक्ता ने टेकक्रंच को बताया, लोगों को उम्मीद है कि गूगल प्ले से ऐप को डाउनलोड करने के बाद इसमें कुछ न कुछ गतिविधियां तो जरूर होंगी और हमारी पॉलिसी यह है कि अगर किसी ऐप को ठीक नहीं किया गया है कि तो हम उसे स्टोर से हटा देते हैं। ऐप को पहली बार साल 2016 में पूर्व राष्ट्रपति के पहले चुनाव अभियान के दौरान लॉन्च किया गया था। ऐप के आईओएस वर्जन को अभी भी लोड किया जा सकता है, यानि कि एप्पल ने इसे अभी तक रद्द नहीं किया है।

488 निर्माण श्रमिकों को 3.18 करोड़ रुपए की सहायता

नई दिल्ली।

दिल्ली सरकार ने निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड में पंजीकृत 488 निर्माण श्रमिकों को 3.18 करोड़ रुपए की सहायता राशि प्रदान की है। इसके तहत श्रमिकों को मातृत्व लाभ के 181 क्लेम, शिक्षा लाभ के 131 क्लेम, दुघर्टना, प्राकृतिक मृत्यु के 53 क्लेम और पेंशन संबंधित 51 क्लेम के दावेदारों में सहायता राशि का वितरण किया गया। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि श्रमिकों के मन में यह आत्मविश्वास होना चाहिए कि मेरी सरकार, मेरी मदद के लिए हमेशा तैयार है। जिन्हें कुदरत ने ज्यादा नहीं दिया, उनके सपने पूरे करने के लिए दिल्ली सरकार हमेशा तत्पर और तैयार है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को अपना हक पाने के लिए महीनों तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा, उनके क्लेम का निपटारा अब 20 दिनों के अंदर हो जाएगा। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा कि, जो निर्माण श्रमिक दिल्ली में चमचमाते स्कूलों को बना रहे हैं, दिल्ली के अस्पतालों को बना रहे हैं। दिल्ली सरकार प्रतिबद्ध है कि उन्हें सभी सहायता दें, उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा दें। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि, मजदूरों को अपना पंजीकरण करवाने के लिए अब दफ्तरों के सामने लंबी कतारों में लगने की जरूरत नहीं है। दिल्ली सरकार द्वारा शुरू किए गए डोर स्टेप सर्विस के तहत 1076 पर कॉल कर अपने घर बैठे ही श्रमिक अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। गौरतलब है कि दिल्ली निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड में पंजीकृत श्रमिकों को दिल्ली सरकार विभिन्न योजनाओं के तहत सहायता प्रदान करती है। जिसके तहत श्रमिकों को स्वयं और पुत्र अथवा पुत्री के विवाह के लिए 35 हजार से 51 हजार रुपए तक की सहायता राशि, अपंग होने पर 1 लाख की सहायता राशि, बच्चों की शिक्षा के लिए 500 से 10,000 रुपए प्रतिमाह, 3000 रुपए प्रतिमाह वृद्धावस्था पेंशन, दुर्घटना मृत्यु पर 2 लाख की सहायता राशि, प्राकृतिक मृत्यु पर 1 लाख की सहायता राशि, प्रसूति लाभ के तहत 30 हजार रुपए की राशि दी जाती है।

पेटीएम मनी ने शुरू की एफ एंड ओ में निवेश की सुविधा

नई दिल्ली।

भारत के घरेलू डिजिटल वित्तीय सेवा प्लेटफॉर्म पेटीएम ने आज घोषणा की कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी पेटीएम मनी ने फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफ एंड ओ) ट्रेडिंग को सभी के लिए खोल दिया है। इसका उद्देश्य एक महत्वपूर्ण धन प्रबंधन उत्पाद (वेल्थ मैनेजमेंट प्रॉडक्ट) के रूप में एफ एंड ओ ट्रेडिंग के साथ जनता को सशक्त बनाना है।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसे अपने अर्ली एक्सेस प्रोग्राम के लिए 1 लाख से अधिक अनुरोधों के साथ अपने प्लेटफॉर्म पर एफएंडओ ट्रेडिंग के लिए जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। ट्रेडिंग अब सभी के लिए पेटीएम मनी एप और वेबसाइट पर लाइव है।कंपनी ने दावा किया है कि वह फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस ट्रेडिंग के लिए 10 रुपये में सबसे कम और सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी ब्रोकरेज की सुविधा यूजर्स को दे रही है। कंपनी ने डिलीवरी के लिए शून्य और इंट्राडे ट्रेडिंग के लिए प्रति ट्रांजैक्शन ट्रेडिंग फीस केवल 10 रुपये रखी है, जो कि काफी कम है। पेटीएम मनी द्वारा लिया जाने वाला यह शुल्क ग्राहकों को अन्य प्लेटफॉर्म्स की तुलना में काफी कम पड़ेगा।

मूल्य कम होने के साथ-साथ यह अनुभवी से लेकर पहली बार ट्रेडिंग कर रहे व्यापारियों को उनके मोबाइल पर एक सुरक्षित वातावरण में बेस्ट-इन-क्लास उत्पाद के साथ फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस में व्यापार करने का लाभ मिलेगा।

एफएंडओ प्लेटफॉर्म में सहज यूआई और आसान ऑनबोर्डिंग है, जो एफ एंड ओ ट्रेडिंग को हर भारतीय के लिए सुलभ और संभव बनाता है।

पेटीएम मनी ने अपने बयान में कहा है कि अर्ली ऐक्सेस प्रोग्राम के दौरान कंपनी ने टियर-3, टियर-4 और शेष भारत के अन्य शहरों से एफ एंड ओ ट्रेड में बड़े पैमाने पर दिलचस्पी देखी है। कंपनी ने 30 वर्ष से कम आयु के उपयोगकर्ता आधार और महिला निवेशकों में धन उत्पादों के प्रति भी रुचि में वृद्धि दर्ज की है।

अमेजन वैश्विक अपराधी, तुरंत बैन करे सरकार : कैट

नई दिल्ली।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजन को वैश्विक अपराधी करार देते हुए सरकार से भारत में इसका परिचालन तुरंत प्रतिबंधित करने की मांग की है और कहा है कि उसकी कुप्रथाओं पर समयबद्ध जांच के आदेश देने चाहिए। कैट के अनुसार, एक मीडिया रिपोर्ट में बड़े पैमाने पर किए गए खुलासे के मद्देनजर अमेजन ने भारत के ई-कॉमर्स व्यापार को नियंत्रित करने के लिए एक सोची-समझी रणनीति बनाई और ये अब साफ हो चुका है कि अमेजन भारत सरकार के नियमों, कानूनों और नीतियों की धज्जियां उड़ाते हुए भारत के ई-कॉमर्स व्यवसाय को नियंत्रित करने की कोशिश में है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि सरकार को तुरंत अमेजन के भारत में परिचालन पर प्रतिबंध लगाना चाहिए और उसकी कुप्रथाओं पर समयबद्ध जांच के आदेश देने चाहिए। फ्लिपकार्ट भी इसी तरह की प्रथाओं में शामिल है और इसलिए फ्लिपकार्ट की व्यावसायिक प्रथाओं पर भी अंकुश लगना चाहिए और उस पर भी जांच की जरूरत है। कैट ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल द्वारा घोषित एफडीआई नीति की प्रेस नोट संख्या 2 के स्थान पर एक नया प्रेस नोट जारी करने की मांग की है। सरकार को अपनी बहुप्रतीक्षित ई-कॉमर्स नीति को भी अंतिम रूप देना चाहिए। खंडेलवाल ने कह, नए खुलासे को ध्यान में रखते हुए, कैट केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से संपर्क करेगा और अमेजन पर तत्काल कार्रवाई की मांग करेगा। कैट द्वारा सरकार को पहले ही सौंपे गए कई साक्ष्य और अंतर्राष्ट्रीय समाचार एजेंसी द्वारा सच्चाइयों के खुलासे के बाद अमेजन के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि कैट इस बारे में कानूनी कारवाई करने की संभावनाओं को तलाश रहा है। कैट के वकीलों की टीम सभी कानूनी संभावनाओं की जांच कर रही है और बहुत जल्द वकीलों की सलाह के अनुसार यह कानूनी कार्रवाई को आगे बढाएगा।

वसंतोत्सव के दौरान बॉक्स ऑफिस की रिकॉर्ड तोड़ कमाई

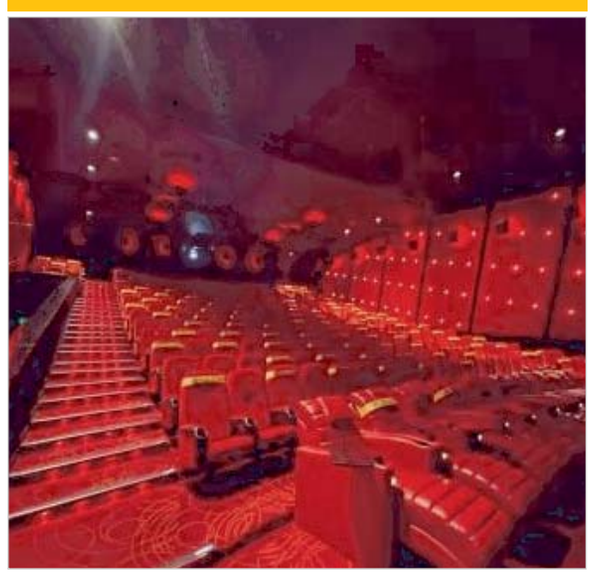

बीजिंग।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 17 फरवरी की शाम 5 बजे तक चीन के वसंतोत्सव के दौरान बॉक्स ऑफिस की कमाई 7 अरब 54 करोड़ 40 लाख युआन रही, जो वर्ष 2019 के बाद फिर एक नया रिकॉर्ड बना।

बताया जाता है कि इस बार सभी बॉक्स ऑफिस की कमाई चीनी फिल्मों ने की हैं। जासूस चाइनाटॉउन 3 और हाई मोम के बॉक्स ऑफिस की कमाई क्रमशः 3 अरब 48 करोड़ 10 लाख और 2 अरब 56 करोड़ 70 लाख युआन रही, जो पहले दो स्थान पर रही। वसंतोत्सव के दौरान बॉक्स ऑफिस की कुल कमाई में इन दो फिल्मों का अनुपात 80 प्रतिशत रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि छुट्टियों में सिनेमा जाकर फिल्म देखना चीनी लोगों की आदत बन गयी है। विशेषकर वसंतोत्सव के दौरान यह नई शैली बन गयी है। शांगहाई विश्वविद्यालय के फिल्म कॉलेज के प्रोफेसर ल्यू हाइपो ने कहा कि महामारी की कारगर रोकथाम के आधार पर इस वसंतोत्सव के दौरान बॉक्स ऑफिस की अच्छी कमाई से चीनी फिल्मों की उच्च गुणवत्ता और परिपक्व फिल्म बाजार जाहिर हुआ है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

चौथे टेस्ट में नहीं खेलेंगे सैम कुरैन, अब वनडे टीम से जुड़ेंगे

नई दिल्ली। ऐसा माना जा रहा था कि इंग्लैंड के तेज गेंदबाज सैम कुरैन भारत के साथ होने वाले चौथे और अंतिम टेस्ट के लिए टीम से जुड़ सकते हैं लेकिन सैम अब सीधे सीमित ओवरों की सीरीज के लिए ही इंग्लैंड टीम से जुड़ेंगे। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने गुरुवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि आवगमन से संबंधित समस्या के कारण सैम तय कार्यक्रम के अनुसार पहले भारत नहीं आ पाएंगे। ईसीबी ने कहा, सैम कुरैन सीमित ओवरों की सीरीज के लिए 26 फरवरी को अन्य सदस्यों को ले जाने वाली चार्टर फ्लाइट के माध्यम से इंग्लैंड टीम में फिर से शामिल होंगे, यह आज (गुरुवार) घोषित किया गया था। मूल रूप से उन्हें लेकर ऐसी योजना थी कि वह सैम चौथे टेस्ट के लिए टीम से जुड़ेंगे। इंग्लैंड की रोटेशन पॉलिसी के तहत सैम श्रीलंका में पहले टेस्ट के बाद स्वदेश लौट गए थे। भारत के साथ सीरीज समाप्त होने के बाद सैम आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलेंगे।

आईपीएल नीलामी : बेंगलोर ने क्रिस्टियन को 4.80 करोड़ रुपये में खरीदा, हरभजन भी बिके

चेन्नई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 सीजन के लिए गुरुवार को चेन्नई में जारी खिलाड़ियों की नीलामी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने आस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर डेनियल क्रिस्टियन को 4.80 करोड़ रुपये के साथ अपने साथ जोड़ा जबकि भारतीय चाइनमैन गेंदबाज कुलदीप यादव को राजस्थान रॉयल्स ने 20 लाख रुपये में उनके बेस प्राइस पर खरीदा। आस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर डेनियल क्रिस्टियन का बेस प्राइस 75 लाख रुपये था और कोलकाता नाइट राइडर्स तथा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने उन्हें अपने साथ जोड़ने के लिए बोली लगाना शुरू किया। क्रिस्टियन की कीमत बढ़ती गई और बेंगलोर ने एक समय उनके लिए 4.40 करोड़ रुपये तक का दांव खेला। इसके बाद केकेआर ने 4.60 और फिर बेंगलोर ने 4.80 करोड़ रुपये के साथ क्रिस्टियन को अपने साथ जोड़ लिया। भारतीय चाइनमैन गेंदबाज कुलदीप यादव को राजस्थान ने 20 लाख रुपये में उनके बेस प्राइस पर खरीदा। केदार जाधव को सनराइजर्स हैदराबाद ने उनके दो करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर खरीदा। दिल्ली कैपिटल्स ने सैम बिलिंग्स को दो करोड़ रुपये में, हरभजन सिह को कोलकाता नाइट राइडर्स ने उनके बेस प्राइस दो करोड़ रुपये में खरीदा। मुजीब उर रहमान को सनराइजर्स हैदराबाद ने 1.50 करोड़ रुपये में खरीदा। आलराउंडर जलज सक्सेना को पंजाब किंग्स ने 20 लाख रुपये में, उत्कर्ष सिंह को पंजाब ने 20 लाख रुपये में, वैभव अरोड़ा को कोलकाता नाइट राइडर्स ने 20 लाख रुपये में, फेबियन एलियन को पंजाब किंग्स ने 75 लाख रुपये में खरीदा। इंग्लैंड के बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन को राजस्थान ने 75 लाख रुपये में खरीदा। श्रेयास प्रभुदेसाई को बेंगलोर ने 20 लाख रुपये में, सिकर भरत को भी बेंगलोर ने ही 20 लाख रुपये में खरीदा। चेन्नई सुपर किंग्स ने हरिशंकर रेड्डी को 20 लाख रुपये में और भगत वर्मा को 20 लाख रुपये में खरीदा। मुंबई इंडियंस ने न्यूजीलैंड के जेम्स नीशम को 50 लाख रुपये में, युद्धवीर सिंह को 20 लाख रुपये में, मार्को जेनसन को 20 लाख रुपये में खरीदा। पंजाब किंग्स ने सौरभ कुमार को 20 लाख रुपये में, करुण नायर को कोलकाता नाइट राइडर्स ने 50 लाख रुपये में और बेन कटिंग को कोलकाता ने 75 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा। इसी तरह भारत के तेज गेंदबाज उमेश यादव को दिल्ली कैपिटल्स ने उनके बेस प्राइस एक करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा।

तोक्यो ओलंपिक आयोजन समिति का अध्यक्ष पद संभालेंगी हाशिमोतो

तोक्यो .

शीतकालीन और ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में सर्वाधिक बार भाग लेने का रिकार्ड बनाने वाली सीको हाशिमोतो को गुरुवार को तोक्यो ओलंपिक आयोजन समिति का प्रमुख चुना गया। हाशिमोतो ने चार बार शीतकालीन और तीन बार ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में भाग लिया है और अब उन्होंने नया इतिहास रचा क्योंकि जापान में अब भी शीर्ष पदों पर कम महिलाएं पहुंची हैं। तोक्यो ओलंपिक आयोजन समिति के पुरुष प्रधान कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद 56 वर्षीय हाशिमोतो को आयोजन समिति का अध्यक्ष चुना गया। वह 83 वर्षीय योशिरो मोरी की जगह लेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री मोरी को महिलाओं को लेकर टिप्पणी के कारण पिछले सप्ताह त्यागपत्र देना पड़ा था। उन्होंने कहा था कि महिलाएं बहुत अधिक बातें करती हैं। हाशिमोतो प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा की कैबिनेट में ओलंपिक मंत्री पद पर है। उनके पास लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण से जुड़ा विभाग भी है। उन्होंने तीन ग्रीष्मकालीन ओलंपिक (1988, 1992 और 1996) तथा चार शीतकालीन ओलंपिक (1984, 1988, 1992 और 1994) में हिस्सा लिया था। उन्होंने 1992 में स्पीडस्केटिंग में 1500 मीटर में कांस्य पदक जीता था। यह ओलंपिक में उनका एकमात्र पदक है। हाशिमोतो का ओलंपिक के साथ गजब का रिश्ता है। उनका जन्म तोक्यो ओलंपिक 1964 के उद्घाटन समारोह से पांच दिन पहले उत्तरी जापान के होकाइदो में हुआ था। उनका नाम 'सीको' सीका से लिया गया है जिसका अर्थ ओलंपिक मशाल होता है।

फीडे महिला ग्रांड प्रिक्स शतरंज पहली बार भारत मे होगी आयोजित

नई दिल्ली (निकलेश जैन) अखिल भारतीय शतरंज संघ नें महिला शतरंज को आगे बढ़ाने का अब तक का सबसे बड़ा निर्णय लेते हुए विश्व महिला शतरंज चैंपियनशिप का एक बड़ा हिस्सा फीडे महिला ग्रां प्री को भारत मे आयोजित करने का निर्णय लिया है । विश्व शतरंज संघ के द्वारा हर दो वर्ष मे चार महिला ग्रां प्री आयोजित की जाती है और उनमें शीर्ष 2 मे रहने वाली खिलाड़ी फीडे कैंडीडेट मे जगह बनाती है और कैंडीडेट जीतने वाली खिलाड़ी विश्व चैंपियनशिप खेलकर विश्व विजेता बन सकती है । भारत के लिहाज से यह और बड़ी बात इसीलिए है क्यूंकी विश्व नंबर 2 ग्रांड मास्टर कोनेरु हम्पी और विश्व नंबर 9 द्रोणावल्ली हरिका इसमें भाग ले कर भारत के लिए गौरव दिला सकती है । पूर्व मे दोनों ही खिलाड़ी फीडे ग्रां प्री जीत चुकी है । फिलहाल यह टूर्नामेंट कब होगा इसकी जानकारी विश्व शतरंज संघ द्वारा जारी की जाएगी ।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : सेरेना विलियम्स का सपना टूटा, फाइनल में पहुंची ओसाका

मेलबर्न ।

सेरेना विलियम्स की 24वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीतकर रिकार्ड बराबर करने की कवायद फिर से अधूरी रह गयी और इस अमेरिकी दिग्गज को गुरुवार को यहां नाओमी ओसाका से हारने के कारण आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल से बाहर का रास्ता देखना पड़ा। ओसाका ने महिला एकल के पहले सेमीफाइनल में सेरेना को 6-3, 6-4 से हराया। इससे पहले 2018 में यूएस ओपन के फाइनल में सेरेना को हराने वाली ओसाका चौथी बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंची हैं। इससे उन्होंने अपने विजय अभियान को 20 मैचों तक भी पहुंचा दिया है। जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त ओसाका ने पिछले साल भी यूएस ओपन का खिताब जीता था जबकि 2019 में वह आस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन बनी थी। वह शनिवार को होने वाले फाइनल में अमेरिका की 22वीं वरीय जेनिफर ब्राडी और चेक गणराज्य की 25वीं वरीय कारोलिना मुचोवा के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से भिड़ेगी। गुरुवार को रॉड लेवर एरेना में दर्शकों की वापसी हुई। उन्हें कोविड-19 लॉकडाउन के कारण पांच दिन तक स्टेडियम में आने से रोका गया था। सेरेना और ओसाका का मैच देखने के लिए 7000 लोगों को अनुमति दी गई जो कि स्टेडियम की क्षमता के आधी है। इस हार्डकोर्ट टूर्नामेंट में यह सबसे गर्म दिनों में से एक था। तापमान 30 डिग्री पर पहुंच गया था और ऐसे में ओसाका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उन्होंने गलतियां की जिससे सेरेना पहले सेट में 2-0 से आगे हो गई। ओसाका के एक और डबल फाल्ट से सेरेना के पास ब्रेक प्वाइंट लेकर 3-0 की बढ़त बनाने का मौका था लेकिन वह चूक गयी और इसके बाद जापानी खिलाड़ी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

संक्षिप्त समाचार

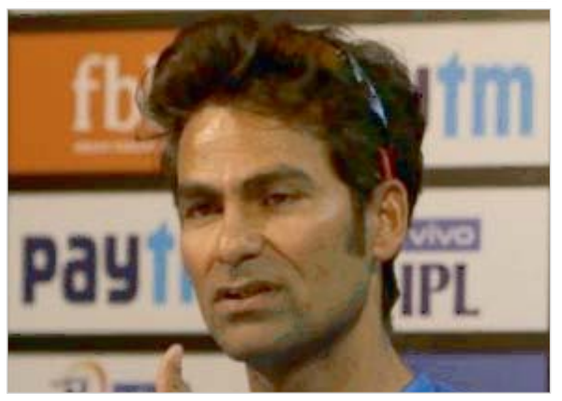

भाग्यशाली रहे कि स्मिथ को सस्ते में खरीद लिया : कैफ

चेन्नई। दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच मोहम्मद कैफ ने गुरुवार को कहा कि उनकी टीम भाग्यशाली रही कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के करिश्माई बल्लेबाज स्टीवन स्मिथ को आईपीएल 2021 के लिए चल रही खिलाड़ियों की नीलामी में सस्ते में खरीद लिया। स्मिथ इससे पहले राजस्थान रॉयल्स के कप्तान थे लेकिन उनकी फ्रेंचाइजी ने उन्हें इस बार रिलीज किया था। स्मिथ को दिल्ली ने दो करोड़ 20 लाख रुपये में खरीदा। स्मिथ की बेस प्राइस दो करोड़ रुपये थी। कैफ ने कहा, पिछले साल आईपीएल के दौरान जब अमित मिश्रा और इशांत शर्मा चोटिल हुए तो हमें लगा कि टीम में बैकअप के तौर पर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की जरुरत है। मुझे लगता है कि हम भाग्यशाली हैं जो हमने स्मिथ को सस्ते में खरीदा। हम उन्हें खरीदने के लिए और भी रुपये खर्च करने के लिए तैयार थे। स्मिथ ने 2020 आईपीएल के सत्र में 14 मुकाबलों में 25.91 के औसत से 311 रन बनाए। उन्होंने पिछले सत्र में तीन अर्धशतक जड़े और उनका सर्वाधिक स्कोर 69 रन रहा था। राजस्थान पिछले सत्र में अंक तालिका में सबसे नीचे स्थान पर रहा था।

12 वर्ष की किशोरी ने अरब सागर में 36 किमी तैरकर बनाया रिकॉर्ड

मुंबई। भारतीय नौसेना के नाविक की 12 वर्षीय पुत्री ने ऑटिज्म स्पेक्ट्रम बीमारी (एएसडी) के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से अरब सागर में 36 किमी तैरकर विश्व रिकॉर्ड बनाया। अधिकारियों ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। भारतीय नौसेना के नाविक मदन राय की पुत्री जिया राय खुद भी एएसडी का शिकार हैं। जिया ने बुधवार को बांद्रा-वर्ली सी लिंक से गेटवे ऑफ इंडिया तक की दूरी आठ घंटे 40 मिनट में पूरी की। अधिकारियों ने कहा, यह पिछले साल की तरह एक नया विश्व रिकॉर्ड है। इससे पहले साल एएसडी से संक्रमित जिया समुद्र में 14 किमी तैरने वाली युवा बनी थी। जिया तड़के तीन बज तक 40 मिनट पर सी लिक पहुंची और उन्होंने तैरना शुरू किया। जिया दोपहर साढ़े बारह बजे गंतव्य स्थान पर पहुंची, जहां उनका दर्शकों ने ताली बजाकर अभिवादन किया। तैराकी पूरी करने के बाद ग्रेटर मुंबई एमेच्योर एक्वाटिक एसोसिएशन के अध्यक्ष जारिर एन बालिवाला और अन्य ने गेटवे ऑफ इंडिया के पास एक कार्यक्रम में ट्रॉफी देकर जिया को सम्मानित किया। इससे पहले पिछले साल फरवरी में जिया ने गेटवे ऑफ इंडिया से एलेफांटा द्वीप तक तीन घंटे 27 मिनट तैरकर 14 किमी की दूरी तय की थी। इसके साथ ही उन्होंने खुले समुद्र में 14 किमी तैरकर एएसडी से संक्रमित सबसे युवा युवती का विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

IPL Auction : संगकारा ने कहा- फ्रेंचाइजियों की सूची में होंगे ऐसे स्थानीय तेज गेंदबाज

स्पोर्ट्स डेस्क ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी आज 3 बजे से शुरू होगी। इसमें 292 खिलाड़ियों पर 61 स्थान भरने के लिए बोली लगाई जाएगी जिसमें 164 भारतीय और 128 विदेशी खिलाड़ियों सहित 3 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के सहयोगी सदस्य भी शामिल हैं। आईपीएल ऑक्शन से पहले कुमार संगकारा ने कहा, गुणवत्ता वाले स्थानीय तेज गेंदबाज अधिकांश फ्रेंचाइजियों की सूची में शामिल होंगे। पूर्व श्रीलंकाई कप्तान संगाकारा को आईपीएल के आगामी सीजन 14 के लिए पिछले महीने राजस्थान रॉयल्स के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। संगाकारा ने कहा, यह काफी अच्छा लगता है। यह एक दिलचस्प भूमिका होने जा रही है, एक दिलचस्प चुनौती, कुछ ऐसा जिसे मैंने वास्तव में कुछ समय के लिए नहीं सोचा था, लेकिन जब प्रस्ताव आया, तो मुझे वास्तव में यह समझने में थोड़ा समय लगा कि यह क्या था और फिर, हां बहुत उत्साहित हैं। (घरेलू गेंदबाजों पर) गुणवत्ता वाले स्थानीय पेसर अधिकांश फ्रेंचाइजी की सूची में होंगे। उन्होंने आगे कहा, वे बहुत मूल्यवान हैं जब आप उन्हें प्राप्त कर सकते हैं, चाहे वह उमेश यादव हो या कोई और, अनसुना हो सकता है, जो जानता है। वहां विकल्प हैं। सुपर-फास्ट-गेंदबाज

बहुत महत्वपूर्ण हैं इसलिए हां, सभी फ्रेंचाइजियों से उन पर ध्यान दिया जाएगा। (बल्लेबाजी पर) मैं आपको इस बारे में कोई सटीकता नहीं दे पाऊंगा कि हम किसकी तरफ देख रहे हैं, लेकिन बहुत सारे बल्लेबाज हैं। हमारे पास वे रिक्तियां हैं जिन्हें हम भरने की कोशिश करेंगे - आप उन संयोजनों को जानते हैं जिन्हें हम देख रहे हैं, और इसी तरह, दूसरे पक्ष भी होंगे, इसलिए हम अपनी आंखें खुली रख रहे हैं कि कौन सबसे अच्छी भूमिका निभाता है।

आईपीएल नीलामी : पंजाब ने आस्ट्रेलियाई गेंदबाज रिले के लिए दिए 8 करोड़ रुपये

चेन्नई. इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 सीजन के लिए गुरुवार को चेन्नई में जारी खिलाड़ियों की नीलामी में पंजाब किंग्स ने आठ करोड़ रुपये की बोली लगाकर आस्ट्रेलिया के गेंदबाज रिले मेरेडिथ को अपनी टीम में शामिल कर लिया। आस्ट्रेलियाई गेंदबाज रिले का बेस प्राइस 40 लाख रुपये था और दिल्ली कैपिटल्स तथा पंजाब किंग्स के बीच उन्हें होड़ लग गई। दोनों फ्रेंचाइजी पांच करोड़ रुपये तक पहुंच गई थी। इसके बाद पंजाब सात करोड़ रुपये और दिल्ली 7.25 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। इसके बाद पंजाब किंग्स ने आठ करोड़ रुपये तक की बोली लगा दी और उन्हें खरीद लिया। चेतन सकारिया को राजस्थान रॉयल्स ने 1.20 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा। चेतन का बेस प्राइस 20 लाख रुपये था। मणिमरन सिद्धार्थ को दिल्ली कैपिटल्स ने 20 लाख रुपये दिए। जगदीशन सचित को सनराइजर्स हैदराबाद ने 30 लाख रुपये, केसी करियप्पा को राजस्थान रॉयल्स ने 20 लाख रुपये, उनके अलावा कुलदीप सेन, लुकमन मेरिवाला अनसोल्ड रहे।

आईएसएल-7 : कोलकाता डर्बी के 100वें साल में एटीकेएमबी का सामना ईस्ट बंगाल से

फातोर्दा (गोवा)।

मशहूर कोलकाता डर्बी अपने 100 साल पूरे कर रहा है। इसकी शुरुआत कूच बिहार में 1921 में हुई थी और इस डर्बी के दो सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी एससी ईस्ट बंगाल और एटीके मोहन बागान हीरो इंडियन सुपर लीग के सातवें सीजन में एक दूसरे के खिलाफ खेल रहे हैं। सातवें सीजन में पहली बार हिस्सा ले रही ये टीमों बिल्कुल अलग स्थान पर हैं। एटीके मोहन बागान जहां टेबस टॉपर्स में से एक है जबकि ईस्ट बंगाल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुका है। इस सीजन में दोनों दूसरी बार भिड़ रही हैं। आईएसएल के पहले कोलकाता डर्बी में एटीकेएमबी ने जीत हासिल की थी। चूंकि दोनों टीमें शुक्रवार को फतोर्दा स्टेडियम में एक लैंडमार्क कोलकाता डर्बी में एक-दूसरे से भिड़ेंगी, इसलिए इसलिए दोनों का लक्ष्य तीन अंक हासिल करना होगा। एससी ईस्ट बंगाल के कोच रॉबी फॉलर स्टैंड्स से यह मैच देख रहे होंगे लेकिन उनके तथा उनकी टीम के लिए अपने फैन्स के लिए कुछ खास करने का मौका होगा। वैसे भी इस सीजन में इस टीम के पास कुछ खास करने के लिए मौके नहीं बचे हैं। दूसरी ओर एंटोनियो लोपेज हाबस एंड कंपनी के लिए, मार्च में होने वाला फाइनल खेलना लक्ष्य है और वह भी हर हाल में इस मैच से तीन अंक लेते हुए इस मैच को यादगार बनाना चाहेगी। किसी भी अन्य वर्ष में यह मैच होता तो निश्चित तौर पर कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में होता और दर्शकों से पटा होता लेकिन इस मैच के लिए इस साल फतोर्दा में स्टैंड खाली होंगे, लेकिन देश के सबसे बड़े फैनबेस में से दो क्लबों के फैन्स सांस रोककर अपने घरों से यह मुकाबला देख रहे होंगे। पूरे सीजन में मेरिनर्स अधिक सुसंगत रहे हैं। इस दौरान इस टीम ने अधिक स्कोर किया है और अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में कम गोल खाए हैं। 17 मैचों के बाद, बागान ने 36 अंक हासिल किए हैं जबकि ईस्ट बंगाल 17 अंक ही हासिल कर सका है। इस अंतर के बावजूद हबास को लगता है कि यह मैच दूसरे मैचों से अलग होगा। हबास ने कहा, डर्बी अलग है। रवैया (खिलाड़ियों का), स्तर (दबाव का) अन्य मैचों की तुलना में अलग है क्योंकि आपके पास एक जीत के साथ सीजन बदलने की संभावना है। यह हमारे लिए एक खतरनाक मैच है। ईस्ट बंगाल के लिए यह डर्बी अगले सत्र के लिए एक शुरूआती मार्कर सेट करने का अवसर होगा है।

दक्षिण अफ्रीका का दौरा रद्द करना पड़ा भारी, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ICC में दर्ज हुई शिकायत

जोहानिसबर्ग ।

ऑस्ट्रेलिया के कोविड-19 के कारण तीन टेस्ट मैचों के लिए दक्षिण अफ्रीकी दौरा स्थगित करने के बाद अब क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के पास आधिकारिक शिकायत दर्ज की है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस महीने के शुरू में अपनी टीम का दक्षिण अफ्रीका दौरा स्थगित कर दिया था। उसने देश में कोविड-19 के नए मामलों के कारण 'स्वास्थ्य और सुरक्षा जोखिम' का हवाला दिया था। इस फैसले से ऑस्ट्रेलिया की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहुंचने की राह भी मुश्किल हो गई। सीएसए ने दौरा स्थगित करने के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की आलोचना की और कहा कि यह बेहद निराशाजनक है और इससे उन्हें 'गंभीर वित्तीय नुकसान' होगा। उसने अब आईसीसी के विवाद निवारण विभाग में इसकी शिकायत दर्ज की है। एक रिपोर्ट के अनुसार सीएसए के कार्यवाहक सीईओ फोलेत्सी मोसेकी ने आईसीसी को पत्र लिखकर उससे इस पर गौर करने के लिए कहा है कि डबल्यूटीसी की शर्तों के अनुसार क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का फैसला स्वीकार्य है या अस्वीकार्य विशेषकर तब जबकि इस श्रृंखला को डब्ल्यूटीसी की 30 अप्रैल 2021 को समाप्त होने वाली समयसीमा तक आयोजित नहीं किया जा सकता है। सीएसए चाहता है कि विश्व क्रिकेट की संचालन संस्था दक्षिण अफ्रीका में स्वास्थ्य स्थिति का आकलन करके तय करे कि कहीं ऑस्ट्रेलिया ने दौरा स्थगित करके भविष्य के दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) का उल्लंघन तो नहीं किया। आईसीसी की एफटीपी की शर्तों के अनुसार सदस्य देशों को

सरकारी निर्देशों सहित विशेष परिस्थितियों को छोड़कर अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करना होता है।

यह पहला अवसर नहीं है जबकि क्रिकेट खेलने वाले किसी देश ने कोई दौरा रद्द किया हो। इससे पहले 2007 में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी सरकार की सलाह पर राजनीतिक आधार पर जिम्बाब्वे का दौरा नहीं किया था। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण भारतीय टीम ने 2008 में पाकिस्तान का दौरा नहीं किया था।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : कारात्सेव को हराकर नौवीं बार फाइनल में पहुंचे जोकोविच

मेलबर्न। विश्व के नंबर-1 खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने गुरुवार को रूस के क्वालीफायर एस्लान कारात्सेव को हराकर वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में जगह बना ली। जोकोविच ने एक घंटे 53 मिनट तक चले मुकाबले में करात्सेव को लगातार सेटों में 6-3, 6-4, 6-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। करात्सेव अपने पदार्पण ग्रैंड स्लैम में सेमीफाइनल तक पहुंचने वाले रूस के पहले खिलाड़ी हैं। हालांकि इस हार के साथ ही उनका इस टूर्नामेंट में सफर यहीं खत्म हो गया। 17 ग्रैंड स्लैम के विजेता 33 वर्षीय जोकोविच जब भी ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे हैं, उन्होंने इसका खिताब जीता है। जोकोविच का ऑस्ट्रेलियन ओपन का यह नौंवां फाइनल होगा। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, पूरे टूर्नामेंट में यह मैच सबसे अच्छा रहा। मुझे अच्छा महसूस हुआ। मैं बिना दर्द के खेल रहा था। यह अब तक का मेरा सबसे अच्छा मुकाबला था जो सही समय पर हुआ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिला पंडित ने कराई दीया मिर्जा और वैभव की शादी! नहीं हुई कन्यादान और विदाई की रस्म

एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने 15 फरवरी को प्रेमी वैभव रेखा से शादी कर ली। इस जोड़े ने एक अंतरंग समारोह में शादी की, जिसमें करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य शामिल हुए।दीया के विवाह समारोह का संचालन महिला पुजारी शीला अट्टा ने किया। दीया ने समारोह में शादी की पूरी विधि करवाने के लिए शीला अत्ता को धन्यवाद देने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया और पीढ़ी की समानता के बारे में बात की। उन्होंने लिखा, 'हमारे विवाह समारोह के आयोजन के लिए शीला अट्टा का शुक्रिया। इतना गर्व है कि हम एक साथ #RiseUp #GenerationEquality कर सकते हैं।'

दीया मिर्जा और वैभव रेखा ने कुछ सालों तक एक दूसरे को डेट किया और उसके बाद शादी के बंधन में बंधने का फैसला किया। शादी मुंबई में उनके परिवार के सदस्यों और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में हुई। अदिति राव हैदरी भी शादी में शामिल हुईं।

दीया और वैभव विवाह स्थल से बाहर आए और शादी समारोह के बाद फोटोग्राफरों के लिए पोज़ दिया। अभिनेत्री ने बनारसी साड़ी को अपनी दुल्हन लुक के रूप में पहना था। दीया मिर्जा ने पहले बिजनेसमैन साहिल संघा से शादी की थी। लेकिन उनकी शादी नहीं चली और 2019 में उनका तलाक हो गया।

आलिया भट्ट की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी की मुश्किलें खत्म

मुंबई सिटी सिविल कोर्ट ने भंसाली प्रोडक्शंस, अभिनेता आलिया भट्ट और मुंबई के लेखक हुसैन ज़ैदी के माफिया क्वीन्स के खिलाफ निरोधक आदेश की मांग करने वाले एक मुकदमे को खारिज कर दिया है, जिसकी पुस्तक पर फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी आधारित है। संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित फिल्म की मुख्य भूमिका में आलिया भट्ट हैं। मुकदमा बाबूजी शाह ने दायर किया था, जिन्होंने गंगूबाई काठियावाड़ी के दत्तक पुत्र होने का दावा किया था। गंगूबाई काठियावाड़ी को एक ऐसी महिला थी जो अपने साथी के साथ गुजरात से मुंबई आई थी, लेकिन उनके साथी ने ही उन्हें वेश्यावृत्ति के बाजार में बेच दिया था। पिछली शताब्दी के मध्य में, काठियावाड़ी ने कई अंडरवर्ल्ड अपराधियों के साथ संबंध बनाए और दक्षिण मुंबई के कुछ हिस्सों पर पकड़ बनाई। वह एक बड़े वेश्यालय की मालकिन बनीं और कहा जाता है कि उन्होंने मुंबई के रेड लाइट एरिया, कामठीपुरा में महिलाओं और अनाथों के उत्थान के लिए काम किया। 2011 में प्रकाशित, मुंबई के माफिया क्वीन्स नामक पुस्तक में काठियावाड़ी पर एक अध्याय था, जो बाबूजी शाह के अनुसार, उन्हें बदनाम करने वाला था, उनका आरोप था कि इससे उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल किया और उसकी मृतक मां की निजता और आत्मसम्मान के अधिकार का उल्लंघन किया। फिर उन्होंने पुस्तक के प्रकाशन और संचलन के खिलाफ निरोधक आदेश मांगा। शाह ने उपरोक्त उपन्यास पर आधारित किसी भी फिल्म के प्रोमो के निर्माण, निर्देशन या प्रसारण करने वाले लेखकों और फिल्म निर्माताओं के खिलाफ एक स्थायी निषेधाज्ञा मांगी थी। अधिवक्ता नरेंद्र दुबे के माध्यम से दायर वाद में कहा गया है कि लेखक ने उपन्यास लिखने से पहले अनुमति या सहमति नहीं ली है और इसके अलावा उपन्यास पर आधारित एक फिल्म बना रहे है। बाबूजी शाह ने दावा किया कि काठियावाड़ी के बारे में उनसे या परिवार के किसी अन्य सदस्य से कोई जानकारी नहीं मिली है, जो स्वर्गीय काठियावाड़ी के एकमात्र कानूनी उत्तराधिकारी हैं।

शनाया कपूर ने शकीरा के गाने पर किया जबरदस्त बैले डांस

बॉलीवुड के एक्टर संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी ग्लैमरस फोटोज और वीडियो को शेयर करके अपने फैंस का मनोरंजन करती दिखाई देती हैं। हाल ही में शनाया अपने एक डांस वीडियो को लेकर काफी सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस वीडियो में शनाया, शकीरा के गाने पर धमाकेदार बेली डांस करती दिखाई दे रही हैं। इस डांस वीडियो में शनाया के साथ उनकी बेली डांस की टीचर भी उनका साथ देते हुए दिखाई दे रही हैं। शनाया का ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस बेली डांस वीडियो में खास बात ये है कि शनाया ने कुल 60 सेकेंड के लिए डांस के दौरान सांस तक नहीं ली थी। वीडियो में शनाया ने ब्लैक आउटफिट को कैरी किया हुआ है। वीडियो को शेयर करते हुए शनाया कपूर ने लिखा, 'मैंने अपने इस बेली डांस वीडियो में 60 सेकेंड तक सांस नहीं ली। संजना मुथरेजा के साथ ड्रम सोलो करना हमेशा ही सबसे बेस्ट समय रहा है। बता दें, शनाया कूपर के इंस्टाग्राम पर 3 लाख से भी ज्यादा फॉलोअर्स हैं। हाल ही में शनाया ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट पब्लिक किया है। फैंस कई बार संजय कपूर से शनाया के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर सवाल कर चुके है।

उन्नाव मामले पर भड़कीं स्वरा भास्कर

यूपी का उन्नाव जिला एक बार फिर से सुर्खियों में है। यहां असोहा थाना क्षेत्र के बबुरहा गांव में दो नाबालिग लड़कियों के शव मिलने से हड़कंप मच गया। वहीं, तीसरी लड़की की हालत गंभीर बनी हुई है। अब उन्नाव में हुई इस घटना को लेकर लगातार बॉलीवुड सेलेब्रिटीज के रिएक्शन आ रहे हैं। एक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने उन्नाव में हुई इस घटना को लेकर एक ट्वीट किया है। स्वरा भास्कर ने ट्वीट करके उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। एक तरफ उन्होंने यूपी सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं, वहीं दूसरी ट्वीट में यूपी में राष्ट्रपति शासन लगाने की बात भी कह डाली है। स्वरा ने ट्वीट किया, महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध के बाद भी जब दोषियों को सजा नहीं मिलती है, तब उन्नाव जैसी घटनाएं होती हैं। ऐसा तो तभी होता है जब सरकार जनसेवा को छोड़ मंदिर और गाय पर अपना ध्यान केंद्रित करती है। स्वरा भास्कर ने यूपी के मुख्यमंत्री पर भी सवाल खड़े किए है। उन्होंने लिखा, और क्या होना बाक़ी है? उत्तर प्रदेश में और क्या होना है कि अजय बिष्ट की सरकार का इस्तीफ़ा मांगा जा सके.. और राष्ट्रपति शासन लागू हो? इस घटना पर और भी कई सेलेब्स रिएक्ट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। सभी प्रदेश सरकार के खिलाफ गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। सभी यही अपील कर रहे हैं कि इस मामले में तेज कार्रवाई हो और सभी दोषियों को जल्द से जल्द कड़ी सजा दी जाए। बता दें, बता दें, बुधवार शाम को 13 और 16 वर्षीय लड़कियों के खेत में शव मिले थे, वहीं, 17 साल की लड़की बेहोशी की हालत में थी। उन्नाव में घटी इस घटना के बाद बबुरहा गांव को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। नौ थानों की पुलिस फोर्स को गांव में तैनात किया गया है। इसके अलावा, 19 दारोगाओं, 17 मुख्य आरक्षी और 30 सिपाहियों की अतिरिक्त तैनाती की गई है।

गोविंदा की बेटी टीना आहूजा ने कहा- मैं भाई-भतीजावाद की उत्पाद नहीं हूं

गोविंदा की बेटी टीना आहूजा ने कहा कि वह भाई-भतीजावाद का उत्पाद नहीं हैं, क्योंकि उनको कभी भी कोई फिल्म ऑफर करने के लिए कोई फोन नहीं किया। उन्होंने 2015 में फिल्म सेकंड हैंड हसबैंड से बॉलीवुड में शुरुआत की। गोविंदा की बेटी टीना आहूजा ने कहा है कि उन्होंने कभी किसी से कोई पेशेवर मदद नहीं ली। उन्होंने कहा कि उन्हें उनकी योग्यता के आधार पर फिल्मों की पेशकश की गई है और उन्हें नेपो-किड के रूप में घोषित नहीं किया जा सकता है। टीना ने 2015 में पंजाबी सिंगर एक्टर गिप्पी ग्रेवाल के साथ फिल्म सेकंड हैंड हसबैंड के साथ बॉलीवुड में शुरुआत की। फिल्म जिसमें गीता बसरा और धर्मेंद्र भी थे, ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया था। द टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ एक साक्षात्कार में, टीना ने कहा कि उनके पिता गोविंदा ने कभी भी फिल्म ऑफ़र के लिए अपने प्रभाव का उपयोग करने की कोशिश नहीं की। उन्होंने कहा कि अगर वह भाई-भतीजावाद का उत्पाद होती, तो वह 30-40 फिल्में पहले ही साइन कर लेती। ये चीज पापा ने काभी नहीं कि और न ही मैंने उनसे कभी पूछा कि उन्होंने ऐसा क्यो किया। मुझे इसकी जरुरत इस लिए नहीं पड़ी क्योंकि मेरे पिता ने बिन मांगे मुझे मदद की है। वह हमेशा मेरे साथ खड़े रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

20 फरवरी को मालदीव और मॉरीशस की यात्रा पर जाएंगे विदेश मंत्री एस. जयशंकर

नई दिल्ली :

विदेश मंत्री एस जयशंकर 20-21 फरवरी को मालदीव और 22-23 फरवरी को मॉरीशस की यात्रा पर जायेंगे । विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के बयान के अनुसार, मालदीव की यात्रा के दौरान जयशंकर वहां के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह से भेंट करेंगे। इस यात्रा के दौरान वे (जयशंकर) मालदीव के विदेश, रक्षा, वित्त, आर्थिक विकास, योजना एवं आधारभूत ढांचा मंत्रियों से मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्री जयशंकर वहां की संसद के स्पीकर मोहम्मद नासीद एवं अन्य राजनीतिक नेताओं से भी मिलेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अपनी यात्रा के दौरान विदेश मंत्री द्विपक्षीय संबंधों के सम्पूर्ण आयामों तथा जारी द्विपक्षीय परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे । वे कोविड-19 की स्थिति के बारे में चर्चा करेंगे। इसमें कोविड-19 के बाद आर्थिक स्थिति को पटरी पर लाने के लिये मालदीव को भारत की मदद जारी रखने का विषय भी शामिल है। जयशंकर 22-23 फरवरी को मॉरीशस की यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति पृथ्वीराज सिंह रूपन और प्रधानमंत्री प्रविन्द जगन्नाथ से भेंट करेंगे। इसके अलावा वे मॉरीशस के विदेश, क्षेत्रीय एकीकरण, अंतरराष्ट्रीय कारोबार मंत्री तथा भू परिवहन मंत्री से भी मिलेंगे। मंत्रालय के बयान में कहा गया है, ''अपनी यात्रा के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर द्विपक्षीय संबंधों के सभी आयामों तथा मॉरीशस में भारत द्वारा संचालित विभिन्न आधारभूत ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे। वे आपसी हितों से जुड़े द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे जिसमें भारत द्वारा मॉरीशस को सहायता का विषय भी शामिल है।

विदेश मंत्रालय ने कहा है कि मालदीव और मॉरीशस दोनों हिन्द महासागर क्षेत्र में भारत के महत्वपूर्ण नौवहन पड़ोसी हैं और इनका प्रधानमंत्री की 'सागर दृष्टि (क्षेत्र में सभी के लिये सुरक्षा एवं वृद्धि) में विशेष स्थान है।

पाकिस्तान को बड़ा झटका, भारत की खातिर श्रीलंका ने इमरान का संबोधन किया रद्द !

इस्लामाबाद :

श्रीलंका ने भारत की खातिर पाकिस्तान को बड़ा झटका दिया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को श्रीलंका दौरे के दौरान संसद को संबोधित करने का प्रोग्राम था जिसे अब रद्द कर दिया गया है। पाकिस्तानी मीडिया श्रीलंकाई सरकार के इस कदम को भारत के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने के तौर पर देखा जा रहा है। 'कोलंबो गैजेट' वेबसाइट ने बुधवार को खबर दी है कि संसद के एक वरिष्ठ अधिकारी नरेंद्र फर्नान्डो ने कहा कि उन्होंने संसद को सूचित किया है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की श्रीलंका यात्रा कार्यक्रम के मुताबिक होगी लेकिन खान की संसद भवन परिसर की प्रस्तावित यात्रा नहीं होगी। खान 22 फरवरी को दो दिन की राजकीय यात्रा पर श्रीलंका आ रहे हैं। खान कोविड-19 महामारी की शुरुआत के बाद देश की यात्रा पर आने वाले पहले राष्ट्र प्रमुख हैं। वह राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे, प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे और विदेश मंत्री दिनेश गुनावर्दना के साथ वार्ता करेंगे। श्रीलंका के दैनिक 'एक्सप्रेस' के मुताबिक

विदेश सचिव जयंत कोलंबेज ने कहा है कि संसद के अध्यक्ष महिंदा यापा अबयवर्दना ने कोविड-19 को लेकर खान के संबोधन को रद्द करने का आग्रह किया था। 'डॉन' अखबार ने श्रीलंका मीडिया में आई खबरों के हवाले से कहा कि श्रीलंकाई सरकार के भीतर ऐसे तत्व हैं, जो नहीं चाहते थे कि खान संसद को संबोधित करें। रिपोर्ट के अनुसार उन्हें डर था कि ऐसा करने से भारत के साथ संबंध खराब हो सकते हैं क्योंकि कोलंबो बंदरगाह में 'ईस्ट कंटेनर टर्मिनल' को लेकर हुए समझौते के रद्द होने के बाद पहले ही संबंधों में तनाव है। पाकिस्तानी अखबार ने कहा कि उम्मीद थी कि खान अपने संबोधन के दौरान कश्मीर का मुद्दा उठा सकते हैं जिससे भारत नाराज हो सकता है।

फेसबुक ने ऑस्ट्रेलिया के लिए अपनी न्यूज सेवाएं बंद कीं

कैनबरा।

फेसबुक ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि उसने ऑस्ट्रेलिया में समाचार देने के बदले भुगतान करने के प्रस्तावित कानूनों के मद्देनजर ऑस्ट्रेलियाई लोगों के लिए अपने मंच पर समाचार देखने या साझा करने की सेवा बंद कर दी है। अमेरिकी कम्पनी ने एक बयान में कहा कि ऑस्ट्रेलियाई प्रकाशक फेसबुक पर समाचार सामग्री प्रकाशित कर सकते हैं, लेकिन उनके 'लिंक' और 'पोस्ट' ऑस्ट्रेलिया के लोग न तो देख पाएंगे और न ही उसे साझा कर पाएगें। बयान के अनुसार, ऑस्ट्रेलियाई उपभोक्ता ऑस्ट्रेलिया की या अंतरराष्ट्रीय खबर भी साझा नहीं कर पाएंगे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के बाहर के लोग भी ऑस्ट्रेलिया की कोई खबर साझा नहीं कर पाएंगे। फेसबुक के क्षेत्रीय प्रबंध निदेशक विलियम ईस्टन ने कहा, ''प्रस्तावित कानून ने मूलरूप से हमारे मंच और प्रकाशकों के बीच संबंध को समझने में गलती की है, जो इसका इस्तेमाल खबरों को साझा करने के लिए करते हैं।' उन्होंने कहा, '' इसने हमारे पास सामने कठोर विकल्प ही छोड़ा, या तो उस कानून का पालन करें जो इस संबंध की वास्तविकता की अनदेखी करता है या ऑस्ट्रेलिया में अपनी सेवाओं में समाचार सामग्री न दिखाएं। भारी मन के साथ हम दूसरा विकल्प चुन रहे हैं। इस विधेयक को तैयार करने में भूमिका निभाने वाले मंत्रियों में से एक जोश फ्राइडनबर्ग ने एक दिन पहले ही कहा था कि ऑस्ट्रेलियाई मीडिया कंपनी के साथ फेसबुक और गूगल के ''महत्वपूर्ण कारोबारी समझौता' के करीब पहुंच गए हैं। फ्राइडनबर्ग ने सप्ताहांत में फेसबुक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जुकरबर्ग, अल्फाबेट इंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और इसकी अनुषंगी गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुंदर पिचाई से इस विषय पर चर्चा के बाद कहा था कि वह इस बात से संतुष्ट हैं कि मंच '' व्यावसायिक समझौते करने चाहते हैं।'

फ्राइडनबर्ग ने कहा कि फेसबुक के ऑस्ट्रेलियाई समाचार पर रोक लगाने के बाद उनकी जुकरबर्ग के साथ '' सकारात्मक बातचीत'' हुई है।

अमेरिका ने हिंद-प्रशांत की चुनौतियों से निपटने में भारत को बताया अहम साझेदार

वाशिंगटन :

पेंटागन ने बाइडन प्रशासन तले क्वाड समूह की पहली मंत्रिस्तरीय बैठक से एक दिन पहले कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सभी चुनौतियों को देखते हुए भारत एक महत्वपूर्ण साझेदार है। 'क्वाड मिनिस्टीरियल' ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका का अनौपचारिक समूह है। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा, ''भारत एक महत्वपूर्ण साझेदार है, खासकर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सभी चुनौतियों को देखते हुए।'' विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइज ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मुझे यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि कल (बृहस्पतिवार) सुबह, मंत्री ब्लिंकेन और जापान, ऑस्ट्रेलिया तथा भारत के उनके समकक्ष एक साथ बात करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''हमारे दौर की बढ़ती चुनौतियों, कोविड-19 से निपटने के हमारे प्रयासों में समन्वयन, जलवायु परिवर्तन तथा मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र के हमारे साझा लक्ष्यों की दिशा में आगे बढ़ने के लिए क्वाड के विदेश मंत्रियों की यह चर्चा अहम है।'' किर्बी ने कहा, ''हमारे बीच (भारत के साथ) बहुत ही महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंध है

खासकर दोनों देशों की सेनाओं के बीच। भारत एक महत्वपूर्ण सहयोगी है खासकर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चुनौतियों के मद्देनजर।'' उन्होंने कहा, ''रक्षा मंत्री इस संबंध को प्राथमिकता दे रहे हैं और इसे बढ़ते, विकसित होते तथा और मजबूत होते देखना चाहते हैं।''

संक्षिप्त समाचार

CPEC को लेकर ठगा महसूस कर रहा पाकिस्तान, कहा-चीन ने कोई फंड नहीं दिया

इस्लामाबाद। भारत के खिलाफ चीन का साथ देने वाले व ड्रैगन को अपनी जमीन इस्तेमाल करने की इजाजत देने वाला पाकिस्तान अब खुद को ठगा महसूस कर रहा है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (CPEC) को लेकर चुप्पी तोड़ते हुए पाकिस्तान ने कहा कि चीन ने (CPEC) की किसी भी बुनियादी परियोजना के लिए फंड नहीं दिया है। यह जानकारी परियोजनाओं पर सीनेट की विशेष समिति ने दी। पाकिस्तान योजना मंत्रालय में परिवहन योजना के प्रमुख सीनेटर सिकंदर मंदरू ने समिति की बैठक के दौरान कहा कि (CPEC) की फंडिंग नहीं होने के कारण खुजदार-बसीमा परियोजना सहित कुछ परियोजनाओं को संघीय वित्तीय कोषों से बाहर किया जा रहा था। समिति के सदस्य सीनेटर कबीर अहमद शाही ने बताया कि (CPEC) पर केवल कागजी कार्रवाई की गई थी। उन्होंने कहा, परियोजना इस तरह से शुरू हुई कि एक चौकीदार के साथ एक तम्बू लगाया गया था। न्यू ग्वादर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के चारों ओर की बाड़ एक जर्जर इमारत है।÷ इसके अलावा, ग्वादर स्मार्ट पोर्ट सिटी मास्टर प्लान के तहत परियोजनाएं शुरू नहीं की गई हैं। बता दें कि 2015 में, चीन ने पाकिस्तान में (CPEC) के तहत 46 बिलियन अमरीकी डॉलर की आर्थिक परियोजना की घोषणा की थी । बीजिंग का उद्देश्य संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान के साथ-साथ मध्य और दक्षिण एशिया में अपने प्रभाव का विस्तार करना है।(CPEC) पाकिस्तान के दक्षिणी ग्वादर बंदरगाह (626 किलोमीटर, कराची से 389 मील पश्चिम) को अरब सागर में चीन के पश्चिमी शिनजियांग क्षेत्र से जोड़ता होगा। इसमें चीन और मध्य पूर्व के बीच संपर्क को बेहतर बनाने के लिए सड़क, रेल और तेल पाइपलाइन लिंक बनाने की योजना भी शामिल है।

14 वें दलाई लामा की मृत्यु बन सकती है एशिया में धार्मिक संकट का कारण !

इंटरनेशनल डेस्क: दलाई लामा को 90 साल के होने में केवल कुछ साल बचे हैं । इस बीच अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में यह आशंका है कि उनकी मृत्यु एशिया में धार्मिक संकट को जन्म दे सकती है। 14 वें दलाई लामा 85 वर्षीय तेनजिन ग्यात्सो ने कुछ साल पहले घोषणा की थी कि 90 साल की उम्र में वह तय करेंगें कि उनका अगला अवतार होना चाहिए या नहीं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो अभी भी अच्छे स्वास्थ्य में हैं और उनकी उत्तराधिकार पर सवाल बढ़ रहे हैं। साथ ही आशंका है कि उनकी मृत्यु से एशिया में धार्मिक संकट पैदा हो सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक करीब 10 साल पहले दलाई लामा ने ऐलान किया था कि 90 साल का होने पर वह इस बात का फैसला करेंगे कि उनका अगला अवतार होगा या नहीं। इसके साथ ही इस बात की आशंका भी दिखने लगी है कि कहीं उनके निधन से एशिया में धार्मिक संकट न पैदा हो जाए। आखिर वह अब सिर्फ धार्मिक हस्ती नहीं, कम से कम चीन के लिए राजनीतिक मुसीबत बन चुके हैं। साल 1959 में चीन के खिलाफ तिब्बत में असफल आंदोलन छेड़ने वाले दलाई लामा भारत आ गए थे और यहां धर्मशाला में निर्वासित सरकार बनाई थी। उनके पीछे हजारों तिब्बती लोग भी आए। वह फिर कभी तिब्बत नहीं लौटे। पेइचिंग उन्हें अलगाववादी कहता है और अगले दलाई लामा का चुनाव खुद करना चाहता है। दलाई लामा अगले उत्तराधिकारी के भारतीय होने से लेकर महिला होने तक की संभावनाएं जता चुके हैं। ष्टहह की एक रिपोर्ट के मुताबिक एक्सपर्ट्स का मानना है कि आने वाले वक्त में दो अलग-अलग दलाई लामा भी देखने को मिल सकते हैं। दूसरी ओर, चीनी सरकार ने साफ किया है कि अगले दलाई लामा तिब्बत से होंगे और पेइचिंग के मुताबिक बनाए जाएंगे। यहां तक कि चीनी सरकार ने एक दस्तावेज जारी कर पुनर्जन्म के प्रबंधन का तरीका तक बता दिया था। इसमें यह लिखा गया था कि तिब्बत की राजनीतिक हस्तियों का पुनर्जन्म चीनी सरकार की मंजूरी पर होगा और जिनका प्रभाव ज्यादा होगा, उन्हें स्टेट काउंसिल से इजाजत लेनी होगी। सेतेन का कहना है कि चीन धार्मिक हस्तियों को खोजने, टेस्ट करने, पहचाने, शिक्षित करने और ट्रेन करने के लिए नियंत्रण रखता है। यहां तक कि उसने कई सीनियर लामा अपने खेमे में कर रखे हैं जो समय आने पर उसका साथ दें। स्वीकार नहीं किया जा सकता है। धर्मशाला के तिब्बत पॉलिसी इंस्टिट्यूट के रिसर्च फेलो तेनजिन सेतेन का कहना है कि तिब्बत के लोगों और उनकी पहचान और राष्ट्रीयता के लिए दलाई लामा एक अहम प्रतीक हैं। ये लोग चीन के बनाए दलाई लामा को स्वीकार नहीं करेंगे। मौजूदा दलाई लामा के तिब्बत लौटने से पहले अगर उनका निधन होता है, तो क्या होगा, इसे लेकर कोई नियम नहीं है। हालांकि, उन्होंने साल 2011 में कहा था- ऐसा इंसान जिसका दूसरा जन्म होना हो, उसका अधिकार होता है यह तय करना कि वह कब और कहां पैदा होता है।14वें दलाई लामा ने कहा था कि अगर वह दूसरा जन्म लेने का फैसला करते हैं, तो 15वें दलाई लामा को ढूंढने की जिम्मेदारी स्विट्जरलैंड के **Gaden Phodrang Trust** की होगी। इस ट्रस्ट की स्थापना उन्होंने निर्वासन के दौरान की थी ताकि तिब्बती संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके और संरक्षित किया जा सके। उन्होंने कहा था कि वह इसे लेकर लिखित में निर्देश छोड़कर जाएंगे। हालांकि, ट्रस्ट को तिब्बत जाने की इजाजत नहीं है।

ईरान में भूकंप के झटके, 25 लोग घायल

तेहरान। ईरान में 5.6 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप से जुड़े हादसों में कम से कम दस लोग घायल हो गए। ईरान की मीडिया में यह जानकारी दी गई। सरकारी टेलीविजन ने बताया कि राजधानी तेहरान से 500 किलोमीटर दक्षिण में सीसख्त काउंटी में भूकंप के झटके महसूस किए गए। खबर में कहा गया है कि क्षेत्र में राहत एवं बचाव दल को तैनात किया गया है। भुकंप का केन्द्र जमीन से दस किलोमीटर की गहराई पर था। सीसख्त एक कृषि क्षेत्र है जहां की आबादी 6,000 लोगों की हैं। भूकंप से जानमाल के नुकसान का ब्योरा नहीं मिला है।

हफ्ते में चीन के साथ विक्टोरिया बेल्ट एंड रोड डील तोड़ देगा आस्ट्रेलिया

सिडनी :

चीन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ट्रेड वार शुरू कर रखा है। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन द्वारा सप्ताह के दौरान चीनी सरकार के साथ विक्टोरियन प्रीमियर डैनियल एंड्रयूज की विवादास्पद बेल्ट एंड रोड डील खत्म करने की उम्मीद है। मॉरिसन ने एक विदेशी शक्ति के साथ किसी भी राज्य या स्थानीय सरकारी समझौते को खत्म करने के लिए संघीय विदेश मामलों की नीति को असंगत करार देते हुए नए कानून पेश किए। मॉरिसन ने कहा, मैंने इस डील के लाभ नहीं देखे। अगर लाभ हैं, तो वे क्या हैं और उनके लिए क्या भुगतान किया गया था? मेरे पास इस बिंदु पर उन सवालों के जवाब नहीं हैं, लेकिन उन व्यवस्थाओं का मूल्यांकन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि संघीय नीति विदेशी संबंधों को निर्धारित करेगी। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण सिद्धांत है, उन्होंने कहा। जब राष्ट्रीय सरकारें अन्य राष्ट्रीय सरकारों के साथ व्यवहार करती हैं, तो स्थिरता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कानून ऑस्ट्रेलिया की सरकार को राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए उन समझौतों को रद्द करने की शक्ति देता है जो देश की विभिन्न राज्य सरकारों ने दूसरे देशों के साथ किए गए हैं। इसी नए कानून के तहत ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले विक्टोरिया की सरकार और चीन के बीच हुए महत्वाकांक्षी बेल्ट रोड प्रोजेक्ट समझौते की भी समीक्षा होगी। विक्टोरिया की डील की तरफ इशारा करते हुए ऑस्ट्रेलिया के वित्त मंत्री जोश फ्राइडेनबर्ग ने कहा, हम पहले भी इसे लेकर सहमत नहीं थी और अब भी सहमत नहीं हैं। निश्चित तौर पर इसे लेकर फैसला किया जाएगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता चाजो चिलियान ने बीजिंग में कहा था, ऑस्ट्रेलिया को बेल्ट रोड पहल के तहत दोनों पक्षों के सहयोग को निपक्ष और तार्किक ढंग से देखना

चाहिए और सामान्य आदान-प्रदान और सहयोग में कृत्रिम बाधाएं नहीं खड़ी करनी चाहिए। उसके बाद से दोनों देशों के रिश्ते खराब हुए हैं। पिछले दिनों चीन के अधिकारियों ने कहा कि क्वीन्सलैंड की सरकारी मीट कंपनी मेरामिस्ट ने भी बिना कोई कारण बताए चीन के साथ अपना बिजनेस बंद कर दिया। यह ऑस्ट्रेलिया की छठी मीट निर्यातक कंपनी है जिसने यह कदम उठाया गया है। पिछले महीने चीन ने वाइन को भी उन ऑस्ट्रेलियाई उत्पादों में शामिल कर दिया जिनकी पहुंच चीनी बार में प्रतिबंध या सीमित की गई है।

पूर्वी लद्दाख बॉर्डर से पीछे हट रहा चीन, कहा- दोनों देश कर रहे समझौते का पालन

इंटरनेशनल डेस्क।

चीन ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूर्वी लद्दाख सीमा पर अग्रिम मोर्चे पर तैनात चीन और भारत के सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया सुगमता से जारी है। साथ ही, यह उम्मीद जताई कि दोनों देश लक्ष्य को हासिल करने के लिए साथ मिलकर प्रयास करेंगे। चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता एवं वरिष्ठ कर्नल वु कियान ने 10 फरवरी को एक संक्षिप्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह घोषणा की थी कि पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के दक्षिणी एवं उत्तरी किनारों पर अग्रिम मोर्चे पर तैनात चीन और भारत के सैनिकों ने साथ-साथ तथा व्यवस्थित तरीके से पीछे हटना शुरू कर दिया है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया में हुई प्रगति के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'संबद्ध प्रक्रिया संपूर्ण रूप से सुगमता से चल रही है। हमें उम्मीद है कि दोनों पक्ष लक्ष्य को हासिल करने के लिए सम्मिलित प्रयास करेंगे।' हुआ ने कहा, 'हमारी कई दौर की वार्ताओं में बनी सहमति के मुताबिक, अग्रिम मोर्चे के सैनिकों ने दोनों ही ओर साथ-साथ और व्यवस्थित तरीके से पीछे हटना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीद है कि दोनों पक्ष सैनिकों की पूर्ण वापसी की प्रक्रिया सुगमतापूर्वक सुनिश्चित करने के लिए हमारे (दोनों देशों के) बीच बनी सहमति और हमारे बीच हुए समझौतों को ध्यान में रखेंगे।' सैनिकों की वापसी की समय सीमा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा मैं इसकी कोई निश्चित समय सीमा से अवगत नहीं हूं। आप सेना से पूछ सकते हैं। गौरतलब है कि नौ महीनों तक पूर्वी लद्दाख में सीमा पर गतिरोध बने रहने के बाद, दोनों देशों की सेनाएं पैंगोंग झील के उत्तरी एवं दक्षिणी किनारों से पीछे हटने के समझौते पर पहुंची हैं। यह समझौता दोनों देशों के अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैनिकों के चरणबद्ध , समन्वित और सत्यापित किये जा सकने वाले तरीकों से पीछे हटने का प्रावधान करता है। भारतीय थल सेना ने मंगलवार को कुछ छोटे वीडियो और तस्वीरें जारी की थी। इनमें पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग सो (झील) के आसपास के स्थानों से चीनी

सेना द्वारा अपने सैनिकों की संख्या में कम किये जाने और उसके द्वारा अपने बंकर, शिविर और अन्य सुविधाओं को नष्ट करते देखा जा सकता है। वीडियो में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) द्वारा कुछ संरचनाओं को समतल करने के लिए बुलडोजर का उपयोग करते हुए दिखाया गया है। साथ ही, इसमें चीन के सैनिकों को उपकरण, वाहनों के साथ पीछे हटने की तैयारी करते भी दिखाया गया है।

बाइडेन की चेतावनी- मानवाधिकार हनन के लिए चीन को चुकानी पड़ेगी भारी कीमत

न्यूयार्क :

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने चीन में अल्पसंख्यकों के साथ बर्ताव को लेकर चेतावनी दी है। बाइडेन ने मंगलवार को कहा कि मानवाधिकारों के हनन को लेकर चीन को भारी कीमत चुकानी होगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका इसके खिलाफ खड़ा होगा और राष्ट्रपति शी चिनफिंग इससे वाकिफ हैं। बाइडेन ने कहा कि उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी को अपने फोन कॉल के दौरान मानवाधिकारों के हनन के बारे में अमेरिका के रुख के बारे में बता दिया है। बाइडेन ने इस दौरान कहा, %मैं यह स्पष्ट कर रहा हूं कि हम संयुक्त राष्ट्र और अन्य एजेंसियों के माध्यम से मानवाधिकारों के पक्ष में आवाज उठाने की अपनी भूमिका को निभाएंगे, जो उनके दृष्टिकोण पर प्रभाव डालते हैं।' बाइडेन ने शी के साथ फोन पर बातचीत के दौरान उइगरों के साथ अत्याचार का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा कि चीन विश्वगुरु बनने के लिए कोशिश कर रहा है। इसको पाने के लिए और ऐसा करने में सक्षम होने के लिए उन्हें अन्य देशों का विश्वास हासिल करना होगा। उन्होंने चेताया कि जब तक वे मानवाधिकारों के विपरीत गतिविधियों में शामिल होंगे, ऐसा करना उनके लिए कठिन होगा। इस दौरान बाइडेन ने अपने प्रशासन की वैक्सीन योजनाओं और वितरण के समय के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इस दौरान बताया कि कोविड -19 टीके जुलाई के अंत तक व्यापक रूप से आम जनता के लिए उपलब्ध होंगे। उन्होंने इस दौरान यह आश्वासन दिया कि 'अगले क्रिसमस' तक देश में हालात वापस सामान्य हो सकते हैं।

भूटान में तख्तापलट की साजिश नाकाम! दो जज और एक पूर्व सैन्य अधिकारी हिरासत मे

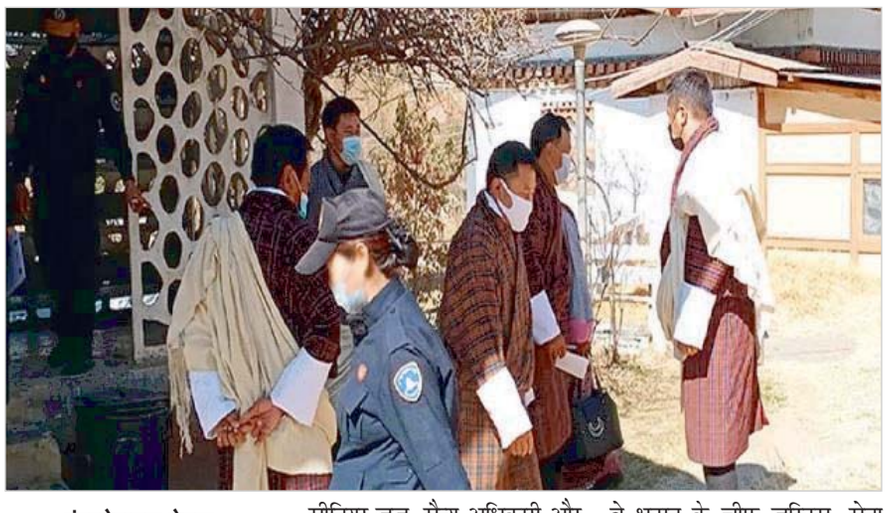

इंटरनेशनल डेस्क :

भूटान में सुप्रीम कोर्ट के एक सीनियर जज, सैन्य अधिकारी और जिला जज को हिरासत में लिया गया है। इन लोगों पर आरोप है कि वे भूटान के चीफ जस्टिस, सेना प्रमुख और वरिष्ठ कानून अधिकारी को पद से हटाना चाह रहे थे। हिरासत में लिए गए सभी लोगों से पूछताछ की जा रही है। भूटान के सरकारी अखबार कुएंसेल के अनुसार, भूटान पुलिस ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट के सीनियर जज कुएनले तर्शिंग को पूर्व सैन्य अधिकारी पूर्व रॉयल गार्ड कमांडर ब्रिगेडियर थिनले टोबेगी और येशी दोरजी (सहयोगी जज) के साथ हिरासत में ले लिया। बता दें भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में जस्टिस एसए बोबडे नवंबर 2019 को जब शपथ ले रहे थे तब जस्टिस तर्शिंग मौजूद थे। जस्टिस तर्शिंग ने हाल ही में कहा था कि उन्होंने बॉम्बे विश्वविद्यालय में कानून की पढ़ाई की थी।

एक महिला ने षड्यंत्रकारी रिश्ते के बारे में जानकारी दी

रिपोर्ट में कहा गया है, 'कथित आपराधिक साजिश का मामला तब सामने आया जब कुछ महीने पहले गिरफ्तार की गई एक महिला ने षड्यंत्रकारी रिश्ते के बारे में जानकारी दी।

सूत्रों के अनुसार, तीनों कथित तौर पर आरबीए के मुख्य परिचालन अधिकारी, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और सर्वोच्च न्यायालय के अटॉर्नी जनरल या रजिस्ट्रार जनरल बनना चाहते थे। वहीं **The Bhutanese** के अनुसार कल शाम ऑफिस टाइम खत्म होने के बाद, रॉयल भूटान पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश तर्शिंग और जिला न्यायाधीश येशी दोरजी को हिरासत में ले लिया।

न्यायाधीश तर्शिंग को उनके घर से हिरासत में लिया गया था. रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे पहले पूर्व रॉयल बॉडी गार्ड कमांडेंट ब्रिगेडियर थिनले टोबगे को हिरासत में लिया गया था। कुएंसेल अखबार के अनुसार सुप्रीम कोर्ट के जज तर्शिंग और येशी दोरजी पर 11 आरोपों के साथ मुकदमा दर्ज किया गया था, और पूर्व रॉयल गार्ड कमांडर ब्रिगेडियर थिनले टोबेगी के खिलाफ पांच आरोप लगाए गए हैं। अदालत ने गुरुवार को हुई एक सुनवाई के दौरान इन सभी को जमानत देने से इनकार कर दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एन्टी करप्शन ब्यूरो (एसीबी)

रिश्वत मांगने के आरोप में एएमसी के डिप्टी हेल्थ ऑफीसर धरे गए

अहमदाबाद, एन्टी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने महानगर पालिका के उप स्वास्थ्य अधिकारी को गिरफ्तार किया है। एक प्राइवेट अस्पताल का बिल पास करने के एवज में रिश्वत मांगने पर स्वास्थ्य अधिकारी पर है। गिरफ्तारी से बचने के लिए अधिकारी ने कोर्ट से अग्रिम जमानत मांगी थी, परंतु उनकी मांग खारिज हो गई। अहमदाबाद महानगर पालिका के पश्चिम जोन में सेवारत डिप्टी हेल्थ ऑफीसर डॉ. नरेश मल्होत्रा के गत दिसंबर महीने में रिश्वत का मामला दर्ज किया गया था। आरोप था कि अहमदाबाद की सिम्स अस्पताल का रु 1.50 करोड़ का बिल मंजूर करने के

लिए 10 प्रतिशत यानी रु 15 लाख की रिश्वत मांगी थी। शहर के उत्तर-पश्चिम जोन के डिप्टी हेल्थ ऑफीसर डॉ. अरविंद पटेल की ओर से यह आरोप डॉ. नरेश मल्होत्रा पर लगाया गया था। मामला सामने आने के बाद डॉ. नरेश मल्होत्रा फरार थे और गिरफ्तारी से बचने के लिए कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका भी लगाई थी। लेकिन कोर्ट ने डॉ. नरेश मल्होत्रा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। पिछले कई दिनों से फरार डॉ. नरेश मल्होत्रा को एसीबी ने शहर के भूयंगदेव क्षेत्र से गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

गुजरात में राज्यसभा की रिक्तदो सीटों पर होनेवाले उपचुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवार रामभाई मोकरिया और दिनेश प्रजापति ने गुरुवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल, गृह राज्य मंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा और गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील मौजूद रहे।

भाजपा नेता की एक पत्नी भाजपा और दूसरी कांग्रेस से उम्मीदवार

पोरबंदर, गुजरात के स्थानीय निकाय चुनाव के बीच एक दिलचस्प घटना सामने आई है। पोरबंदर जिला पंचायत के पूर्व कारोबारी अध्यक्ष केशू सीडा के दो पत्नियां हैं और दोनों ही राजनीति में सक्रिय है। केशू सीडा को पहली पत्नी ऊषा से चार संतानें हैं और दूसरी पत्नी शांति से दो संतान हैं। केशू सीडा अपनी पहली पत्नी ऊषा सीडा के साथ रहते हैं। जबकि शांति सीडा दो संतानों के अलग

रहती है। केशू सीडा दो पत्नी और कहते हैं कि दो पत्नियां होना बुराई नहीं है। राजा दशरथ के भी तीन पत्नियां थीं। हिन्दू धर्म में कहीं ऐसा नहीं लिखा कि आप एक से अधिक पत्नी नहीं रख सकते। देश के संविधान में एक अधिक पत्नी रखने का होने की बात स्वीकार करते हैं अधिकार नहीं है। उषा सीडा जिला पंचायत की उप प्रमुख और शांति सीडा जिला पंचायत की सदस्य रह चुकी है। नए सीमांकन के बाद धरमपुर जिला पंचायत का क्षेत्र पोरबंदर नगर पालिका में शामिल होने से ऊषा सीडा और शांति सीडा आमने-सामने हैं। दिलचस्प बात यह है कि स्थानीय निकाय के चुनाव में ऊषा सीडा भाजपा से और शांति सीडा कांग्रेस की उम्मीदवार हैं। हांलाकि केशू सीडा का समर्थन अपनी पहली पत्नी ऊषा सीडा के साथ है और शांति सीडा पर चुनाव नहीं लड़ने का दबाव डाला था। लेकिन शांति सीडा के इंकार के बाद उसके घर के बाहर तोड़फोड़ की थी। साथ ही चुनाव मैदान से हटने और प्रचार नहीं करने की धमकी भी दी थी। केशू सीडा के शांति सीडा को धमकाने वाला ऑडियो सामने आने के बाद पुलिस ने उनके खिलाफ कार्यवाही की कवायद शुरू की है।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

भाजपा विधायक के बिगड़े बोल, कहा –पुलिस और कलेक्टर मेरी जेब में

वडोदरा, वाघोडिया से भाजपा विधायक मधु श्रीवास्तव का विवादों से चोली-दामन का साथ रहा है। स्थानीय निकाय चुनाव के नामांकन प्रक्रिया के दौरान एक पत्रकार को ठोंक देने की धमकी देनेवाले मधु श्रीवास्तव ने फिर एक बार विवादित बयान देकर चर्चा में आ गए हैं। वडोदरा के सयाजीपुरा में जिला भाजपा कार्यालय के उदघाटन के मौके पर मधु श्रीवास्तव ने कहा कि ''पुलिस और कलेक्टर उनकी

जेब में है और किसी ताकत नहीं है कि कोई उनका कॉलर पकड़ सके। मधु श्रीवास्तव ने कहा कि देश आजाद है और हम भी आजाद हैं।'' मधु श्रीवास्तव के विवादित बयान का वीडियो सामने आने के बाद उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल पर इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

नितिन पटेल ने कहा कि भाजपा के सभी पदाधिकारी संयम में रहें और कानून का सम्मान करें।

गौरतलब है कि वडोदरा नगर निगम चुनाव में मधु श्रीवास्तव के बेटे दीपक श्रीवास्तव को भाजपा ने टिकट नहीं दिया।

दीपक श्रीवास्तव निर्दलीय उम्मीदवारी तो कर दी, लेकिन तीन संतान होने की वजह से उनका नामांकन पत्र रद्द हो गया।

इस बारे में जब प्राइवेट न्यूज चैनल के पत्रकार ने मधु श्रीवास्तव से सवाल किया तो वह इतना भड़क गए कि पत्रकार को ठोक देने की धमकी दे डाली।

राज्यसभा उपचुनाव:भाजपा उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र भरा

अहमदाबाद,गुजरात में राज्यसभा की रिक्तदो सीटों पर 1 मार्च को होनेवाले उपचुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवार रामभाई मोकरिया और दिनेश प्रजापति ने नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। गुजरात कांग्रेस ने राज्यसभा के उपचुनाव में उम्मीदवार नहीं उतारने के फैसला किया है। जिससे भाजपा के दोनों उम्मीदवारों की निर्विरोध जीत तय है। बता दें कि भाजपा सांसद अभय भारद्वाज और कांग्रेस सांसद अहमद पटेल के निधन से गुजरात में राज्यसभा की दो सीटें रिक्त हुई थीं। राज्यसभा के उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार को मैदान में नहीं उतार रही। क्योंकि चुनाव आयोग ने दोनों सीट के लिए अलग अलग चुनाव कराने की घोषणा की है। यदि अलग अलग चुनाव होता है तो कांग्रेस के पास विधानसभा में इतना संख्याबल नहीं है कि वह चुनाव जीत सके। इसके कांग्रेस ने राज्यसभा चुनाव से खुद को अलग कर लिया। कांग्रेस के चुनाव मैदान से हटने से भाजपा के दोनों उम्मीदवार रामभाई मोकरिया और दिनेश प्रजापति की निर्विरोध जीत पक्की है। भाजपा उम्मीदवार रामभाई मोकरिया और दिनेश प्रजापति ने आज राज्यसभा के उपचुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल और गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा समेत भाजपा नेता मौजूद रहे। पोरबंदर के मूल निवासी रामभाई मोकरिया वर्षों से भाजपा से जुड़े हैं फिलहाल राजकोट में रहते हैं और मारुति कुरियर कंपनी के मालिक हैं।

सार–समाचार

अमीरगढ़ चेकपोस्ट पर दो किलो चरस के साथ हरियाणा का युवक गिरफ्तार

बनासकांठा,स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ सतर्क पुलिस ने उत्तरी गुजरात की अमीरगढ़ चेकपोस्ट पर दो किलो चरस पकड़ी है। गुजरात-राजस्थान की सीमा स्थित अमीरगढ़ चेकपोस्ट पर पुलिस ने हरियाणा के एक शख्स को दो किलो चरस के साथ गिरफ्तार कर लिया। पंजाब पासिंग की इनोवा कार में युवक चरस की डिलीवरी करने गोवा जा रहा था। जानकारी के मुताबिक बनासकांठा जिले की अमीरगढ़ चेकपोस्ट पर वाहनों की जांच कर रही है पुलिस ने पंजाब पासिंग की इनोवा कार रोक ली और उसकी तलाशी ली। कार की तलाशी में पुलिस ने दो किलो चरस बरामद हुआ। पुलिस ने कार चालक सुखप्रीतसिंह को गिरफ्तार कर लिया और पूछताछ शुरू की। पूछताछ में सुखप्रीतसिंह ने बताया कि वह हरियाणा से चरस लेकर गोवा डिलीवरी करने जा रहा था। अमीरगढ़ चेकपोस्ट पर नशीला पदार्थ पकड़े जाने की यह पहली घटना नहीं है। इस चेकपोस्ट पर बड़े पैमाने पर शराब समेत नशीले पदार्थ पहले भी पकड़े जा चुके हैं। पिछले एक साल के भीतर चार दफा अफीम, चरस जैसे नशीले पदार्थ पकड़े गए हैं। स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर सतर्क पुलिस ने फिर एक बार चरस तस्करी का पर्दाफाश कर हरियाणा के युवक को गिरफ्तार कर लिया।

नाम वापस लेने वाले भाजपा उम्मीदवार ने पिया जहर, अस्पताल में उपचाराधीन

राजकोट, धोराजी तहसील की झांझमेर सीट से नाम वापस लेने वाले भाजपा उम्मीदवार चिराग देसाई के जहरीली दवाई पीने से सनसनी फैल गई। चिराग देसाई को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई गई है। राजकोट जिले की धोराजी तहसील की झांझमेर सीट से भाजपा प्रत्याशी चिराग देसाई और कांग्रेस उम्मीदवार हरपालसिंह चूडास्मा ने नामांकन दाखिल किया था। लेकिन स्थानीय लोगों के समझाने पर चिराग देसाई ने मंगलवार को अपना नाम वापस ले लिया। चिराग देसाई के चुनाव मैदान से हटने पर हरपालसिंह चूडास्मा को निर्विरोध विजेता घोषित कर दिया गया। अंतिम समय में चुनाव मैदान से हटने वाले चिराग देसाई ने किन्हीं कारणों से जहरीली दवाई पी ली। चिराग देसाई को प्राइवेट अस्पताल के आईसीयू में भर्ती किया गया है। जहां उनकी हालत गंभीर बताई गई है। चिराग देसाई के होश में आने के बाद उनके जहरीली दवाई पीने का असली मकसद सामने आएगा।

अन्य राज्यों के मुकाबले गुजरात में पेट्रोल-डीजल सस्ता : उप मुख्यमंत्री

अहमदाबाद,उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने आज कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने की वजह से पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ी हैं। हांलाकि अन्य राज्यों के मुकाबले गुजरात में पेट्रोल-डीजल सस्ता है। इसकी वजह गुजरात में पेट्रोल-डीजल पर वेट सबसे कम है और इसका बोझ राज्य की जनता पर नहीं डाला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कल ही बताया था कि 85 प्रतिशत कच्चा तेल विदेश से आयात किया जाता है,

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

गाजियाबाद, नोएडा और फरीदाबाद की वायु गुणवत्ता लगातार चौथे दिन अत्यंत खराब

नोएडा (उप्र)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा एवं फरीदाबाद में बृहस्पतिवार को लगातार चौथे दिन वायु गुणवत्ता 'अत्यंत खराब' श्रेणी में दर्ज की गई जबकि गुरुग्राम की वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार आया और यह 'खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा तैयार किए जाने वाले वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के मुताबिक दिल्ली से सटे सभी पांचों शहरों में पीएम-2.5 और पीएम10 प्रदूषक का स्तर भी बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि शून्य से 50 के बीच वायु गुणवत्ता अच्छी , 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम , 201 से 300 के बीच खराब , 301 से 400 के बीच अत्यंत खराब और 401 से 500 के बीच वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर श्रेणी में माना जाता है। सीपीसीबी के ऐप 'समीर' के मुताबिक बृहस्पतिवार शाम चार बजे समाप्त हुए 24 घंटे का औसत एक्यूआई गाजियाबाद में 325, नोएडा में 315, ग्रेटर नोएडा में 336, फरीदाबाद में 307 और गुरुग्राम में 296 दर्ज किया गया।

उमर ने विदेशी राजनयिकों की कश्मीर यात्रा पर किया कटाक्ष, असली पर्यटक भेजने को कहा

श्रीनगर। नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने 24 विदेशी राजनयिकों की कश्मीर यात्रा पर बृहस्पतिवार को कटाक्ष करते हुए उनसे कहा कि वे अपने देशों के असली पर्यटकों को जम्मू-कश्मीर भेजें। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर ने ट्वीट किया, ''कश्मीर आने का शुक्रिया। अब कृपया करके, अपने देशों से कुछ असली पर्यटकों को जम्मू-कश्मीर भेजिए।'' उल्लेखनीय है कि यूरोप, लातिन अमेरिका और अफ्रीकी देशों के राजनयिक अगस्त, 2019 में संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद केंद्रशासित प्रदेश में जमीनी हालात का जायजा लेने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर बुधवार को जम्मू-कश्मीर आए थे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सैफुद्दीन सोज ने बुधवार को कहा था कि राजनयिकों का यह दौरा लगभग हर साल होता है और यह बेकार की कवायद है क्योंकि सरकार को इससे कोई फायदा नहीं होता। केंद्रशासित प्रदेश में मुख्यधारा के अधिकतर नेता राजनयिकों की इस यात्रा पर चुप्पी साधे हुए हैं।

कांग्रेस की जीत पर बोले गहलोत, पंजाब में लोगों ने नफरत की राजनीति को नकारा

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पंजाब के शहरी निकाय में कांग्रेस की शानदार जीत के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह एवं अन्य नेताओं को बधाई देते हुए कहा है कि वहां मतदाताओं ने नफरत की राजनीति को नकार दिया। गहलोत ने ट्वीट किया, ''पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह, पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी और सभी कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को राज्य में नगर निगमों के चुनाव में अभूतपूर्व जीत के लिये बधाई।'' उन्होंने आगे कहा, ''कांग्रेस पार्टी के पक्ष में शानदार परिणाम यह दर्शाता है कि किस तरह लोगों ने नफरत की राजनीति को नकार दिया है।'' उल्लेखनीय है कि पंजाब के सात नगर निगमों में से छह में प्रदेश में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने जीत हासिल की है वहीं सातवें नगर निगम में वह सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। पार्टी ने शहरी निकाय के चुनावों में विपक्षी दलों का सूपड़ा साफ कर दिया है। केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ जारी किसान आंदोलन की पृष्ठभूमि में नगर निगमों के प्रदेश में हुये चुनाव में कांग्रेस ने बठिंडा, होशियारपुर, कपूरथला, अबोहर, बटाला व पठानकोट में जबरदस्त जीत दर्ज की है।

अमिताभ और अक्षय को महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख की चेतावनी, बोले- प्रदेश में नहीं होने देंगे शूटिंग

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने एक बार फिर से अभिनेता अमिताभ बच्चन और अक्षय कुमार को लेकर कटाक्ष किया है। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है कि प्रदेश में इन लोगों की फिल्मों की शूटिंग नहीं होने देंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि देश में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ते जा रहे हैं। मनमोहन सरकार में कच्चे तेल के दाम ज्यादा होने के बावजूद आम आदमी को तेल कम दाम में मिले इसकी कोशिश की थी। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक कांग्रेस नेता नाना पटोले ने कहा कि देश में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ते जा रहे हैं। मनमोहन सिंह की सरकार में कच्चे तेल के दाम ज्यादा होने के बाद भी आम आदमी को तेल कम दाम में मिले इसकी कोशिश की थी। उस समय अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार ने ट्वीट किया था और 5-10 रुपये में पेट्रोल-डीजल मिलने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि आज ये ट्वीट क्यों नहीं कर रहे ? क्या उन पर मोदी सरकार का दबाव है ? जो दबाव में लोगों के प्यार का इस्तेमाल करते हो अब महाराष्ट्र में ऐसे लोगों की फिल्म नहीं देखी जाएगी और शूटिंग भी नहीं होगी। इससे पहले भी उन्होंने अमिताभ बच्चन और अक्षय कुमार की खामोशी पर सवाल उठाया था।

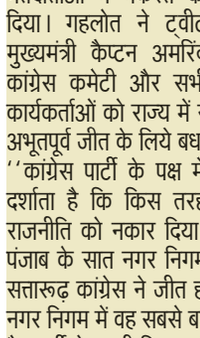

24 देशों के राजनयिकों से भारतीय सेना ने की बात,पाकिस्तानी सेना की भूमिका का किया जिक्र

श्रीनगर। (एजेंसी)।

भारतीय सेना ने जम्मू कश्मीर आए 24 देशों के राजनयिकों को बताया कि नियंत्रण रेखा पर कड़ी निगरानी के कारण आतंकवादी संगठन और पाकिस्तानी प्रतिष्ठान जम्मू क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मौसमी नदियों के नीचे सुरंग बना कर आतंकवादियों की भारत में घुसपैठ कराने का प्रयास कर रहे हैं। जम्मू कश्मीर का वर्ष 2019 में विशेष दर्जा खत्म किए जाने के बाद वहां के हालात का जायजा लेने के लिए, यूरोपीय संघ और इस्लामिक सहयोग संगठन के सदस्य देशों के राजनयिक दो दिवसीय दौरे पर बुधवार को केंद्र शासित प्रदेश पहुंचे। सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने राजनयिकों के इस दल को सीमा पार से होने वाली घुसपैठ, हथियारों की आपूर्ति में पाकिस्तानी सेना की भूमिका और पड़ोसी मुल्क द्वारा बिना उकसावे के संघर्ष विराम उल्लंघन करने के बारे में विस्तृत ब्योरा दिया। कश्मीर घाटी की सुरक्षा में तैनात सेना की 15वीं कोर के मुख्यालय में अधिकारियों ने राजनयिकों को पूरी जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सेना ने आतंकवाद रोधी ग्रिड में जब से रणनीति बदली है तब से पाकिस्तानी प्रतिष्ठान प्राकृतिक गुफाओं और कई बार जम्मू क्षेत्र के सांबा सेक्टर

में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मौसमी नदियों के नीचे सुरंग खोद करके भारत के अंदर आतंकवादियों को प्रविष्ट करा रहे हैं। उन्होंने पाकिस्तान के आतकंवादी समूहों द्वारा घुसपैठ के लिए अपनाई जा रही तकनीकों को रेखांकित करते हुए कहा कि सरहद पार के प्रतिष्ठान केन्द्रशासित क्षेत्र में आंतक फैलाने के लिए आतंकवादियों को हर प्रकार की सहायता दे रहे हैं। इस दौरान उन्हें यह भी बताया गया कि पुलवामा में सीआरपीएफ के जवानों पर 2019 में घातक हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादी भी जम्मू क्षेत्र में एक सुरंग से घुसे थे। अधिकारियों ने राजनयिकों को बताया कि एलओसी पर घुसपैठ की तमाम कोशिशें नाकाम करने के बाद भी पाकिस्तानी सेना सरहद पार आतंकवादी कैंप चलाती है और कश्मीर घाटी में आतंकवादियों को घुसाने के लिए संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन करती है। अधिकारियों ने राजनयिकों को वे हथियार भी दिखाए जो आतंकवादियों से जब्त किए गए और उनमें पाकिस्तान की शस्त्र फैक्टरी का निशान भी बना था। कश्मीर घाटी में हालात पर सेना के अधिकारियों ने बुधवार शाम की घटना का जिक्र किया जहां शहर के एक उच्च सुरक्षा वाले इलाके में एक प्रमुख भोजनालय के मालिक के बेटे को आतंकवादियों ने गोली मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उन्होंने कहा कि यह कश्मीर में उदारवादी आवाजों, या अपनी बात नहीं मानने वालों की आवाज बंद करने की आतंकवादियों की योजना का एक हिस्सा है। सेना ने बताया कि कैसे युवाओं को गुमराह करने के लिए पाकिस्तानी प्रतिष्ठान ''इंटरनेट-युद्ध'' चला रहे हैं। राज्य का दर्जा समाप्त किए जाने के बाद के हालात पर सेना के अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा बलों की कार्रवाई में किसी की जान नहीं गई है। सेना के अधिकारियों ने उन्हें बताया कि कानून और व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं कम हुई हैं और पथराव की घटनाओं में भी तेजी से कमी आई है। साथ ही उन्होंने हाल ही में हुए जिला विकास परिषद चुनाव के बारे में भी राजनयिकों को जानकारी दी।

जन शिकायतों की संख्या दो लाख से 21 लाख होना सरकार में भरोसे को दिखाता है: जितेंद्र सिंह

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि जन शिकायतों की संख्या दो लाख से बढ़कर 21 लाख होना, सरकार के प्रति लोगों के भरोसे को प्रतिबिंबित करता है। देशभर के उपायुक्त/जिला विकास आयुक्तों और केंद्र, राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के नोडल जन शिकायत अधिकारियों की कार्यशाला को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि राज्य जन शिकायतों के निस्तारण के लिए बहु प्रौद्योगिकी मंच का इस्तेमाल कर रहे हैं और इसलिए इन प्रौद्योगिकी की जानकारी रखना एवं एक दूसरे के बेहतर तरीकों को अंगीकार करना अहम है। कार्मिक, जनशिकायत एवं पेंशन मामलों के मंत्री सिंह ने कहा कि कई बेहतर तरीके हैं और कई बार जिला स्तर पर सामने आते हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत उत्साहवर्धक है कि केंद्र एवं राज्य सरकार के अलावा जिले सक्रिय रूप से जन शिकायत निस्तारण प्रणाली को सुधारने के प्रयास में शामिल हैं।

सिंह ने कहा, ''जन शिकायत के निस्तारण में प्रौद्योगिकी मंच विषय पर आयोजित इस राष्ट्रीय कार्यशाला का लक्ष्य जिला स्तर पर भी प्रौद्योगिकी मंच पर मौजूद ज्ञान को साझा करना है। कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी बयान में मंत्री के हवाले से कहा गया कि इस सरकार के सत्ता में आने के बाद से जन शिकायतों की संख्या में 10 गुना वृद्धि हुई है जो नागरिकों के सरकार में भरोसे को प्रतिबिंबित करता है। बयान में कहा गया कि वर्ष 2014 में दर्ज दो लाख जन शिकायतों के मुकाबले मौजूदा समय में 21 लाख जन शिकायतें आईं जिनमें से 95 प्रतिशत का निपटारा कर दिया गया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार का मुख्य मंत्र है, कतार के आखिर में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना एवं उसे कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जन शिकायत निस्तारण प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए सभी कदम उठाए गए और जनता के बीच संतुष्टि को प्रोत्साहित करने के लिए प्रशासनिक सुधार किए गए।

ममता बनर्जी पर बरसे अमित शाह, कहा- भाजपा की लड़ाई बंगाल को सोनार बांग्ला बनाने की है

कोलकाता (एजेंसी)।

कोलकाता के पड़ोसी दक्षिण 24 परगना जिले में आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह परिवर्तन यात्रा के तहत एक सभा को संबोधित किया। अपनी सभा में अमित शाह ने तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। अमित शाह ने कहा कि आज परिवर्तन यात्रा का पांचवा चरण शुरू हो रहा है। ये यात्रा बंगाल के हर विधानसभा क्षेत्र से गुजरने वाली हैं। 294 विधानसभा क्षेत्रों से ये परिवर्तन रथ गुजरने वाला है। ये परिवर्तन यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश लेकर आ रही है। परिवर्तन का मतलब बताते हुए अमित शाह ने कहा कि यह परिवर्तन मछुआरे भाइयों को नाव चलाने के लिए किसी को रिश्वत न देनी पड़े, यह परिवर्तन आदिवासियों को रहने के लिए कट मनी न देनी पड़े, इसलिए है। परिवर्तन किसी को सत्ता से हटाने के लिए नहीं है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय आपका अधिकार कोई और न ले जाए, इसे परिवर्तन कहते हैं। किसानों की फसल का सही दाम किसानों को मिले, बिचौलियों को न मिले, इसे परिवर्तन कहते हैं।

शाह ने ऐलान करते हुए कहा कि आप एक बार बंगाल में भाजपा की सरकार बना दीजिए, बंगाल के सभी सरकारी कर्मचारियों को सातवें वेतनमान का लाभ दिया जाएगा। शिक्षक भाइयों को उचित मानदंड मिले, इसके लिए एक कमेटी का गठन भाजपा सरकार करेगी। दक्षिण 24 परगना में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा की लड़ाई बंगाल को सोनार बांग्ला बनाने की लड़ाई है और ये हमारे बूथ के कार्यकर्ता और तृणमूल कांग्रेस के सिं?डिकेट के बीच की लड़ाई है। ये सिंडिकेट वाले आप तक आपका फायदा नहीं पहुंचने देते हैं। उन्होंने कहा कि गंगासागर को हम अंतरराष्ट्रीय पर्यटन सांस्कृतिक क्षेत्र के रूप में विकसित करने जा रहे हैं। गंगासागर को केंद्र सरकार की प्रसाद योजना के तहत भी लाएंगे। उत्तरायण के दिन यहां जो मेला लगता है, उसे हम अंतरराष्ट्रीय स्तर के मेले का दर्जा देंगे।

अभिषेक बनर्जी पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि टीएमसी का एक ही नारा है, भतीजा बढ़ावा। भतीजे के कल्याण के अलावा टीएमसी के मन में कोई अभिलाषा नहीं है। नरेन्द्र मोदी जी का नारा है, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास। बंगाल में जो राजनीतिक हिंसा होती है, उसमें 130 भाजपा कार्यकर्ता मारे गए। ममता दीदी सोचती हैं कि किसी को मार देने से भाजपा रूक जाएगी। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि ममता दीदी तृणमूल के गुंडो ने हमारे 130 कार्यकर्ताओं को मारा है, उनकी शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। बंगाल की धरती पर ताकत के साथ कमल खिलने वाला है।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल सरकार पर ''कट मनी और गिरोह संस्कृति'' शुरू करने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि सत्ता में आने पर भाजपा चक्रवात 'अम्फान' राहत कोष में गबन की जांच कराएगी और दोषियों को जेल भेजेगी। शाह ने कहा कि भाजपा की 'परिवर्तन यात्रा' मुख्यमंत्री, विधायक या मंत्री को बदलने के लिए नहीं बल्कि घुसपैठ को बंद करने तथा पश्चिम बंगाल को एक विकसित राज्य में परिवर्तित करने की है। उन्होंने यहां एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''परिवर्तन यात्रा मुख्यमंत्री या किसी मंत्री को बदलने के लिए नहीं है। यह तो घुसपैठ को बंद करने तथा बंगाल का कायाकल्प करने के लिए है। आप भाजपा को वोट तो करो, अवैध प्रवासी तो क्या, सीमापार से एक पंछी को भी राज्य में घुसने की इजाजत नहीं होगी।'' उन्होंने कहा, ''भाजपा की लड़ाई बंगाल को 'सोनार बांग्ला' बनाने की है। यह लड़ाई बूथ स्तर के हमारे कार्यकर्ता और तृणमूल कांग्रेस के गिरोह के बीच है।'' उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या की घटनाओं का भी जिक्र किया और कहा कि दोषियों को सलाखों के पीछे डाला जाएगा।

ममता बनर्जी ने अमित शाह को अपने भतीजे अभिषेक से लड़ने का दिया चैलेंज

पाइलान(पश्चिम बंगाल)। (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री के 'दीदी-भतीजा' कटाक्ष को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को चुनौती दी कि अमित शाह पहले उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के खिलाफ चुनाव लड़कर दिखाएं और फिर उनसे लड़ने की सोचें। दक्षिण 24 परगना जिले के पाइलान में एक रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि अभिषेक यदि चाहते तो वह राज्यसभा सदस्य बनकर सांसद बनने का आसान रास्ता चुन सकते थे, लेकिन उन्होंने लोकसभा चुनाव लड़ा और जनादेश प्राप्त किया।

बनर्जी ने कहा, ''दिन-रात वह दीदी-भतीजे के बारे में बात कर रहे हैं। मैं अमित शाह को चुनौती देती हूं कि वह पहले अभिषेक बनर्जी के खिलाफ चुनाव लड़ें और फिर मुझसे।'' शाह सहित भाजपा नेता बनर्जी पर प्रायः वंशवाद की राजनीति का आरोप लगाते रहे हैं और कहते रहे हैं कि 'भतीजे' को विशेष तरजीह मिलती है तथा अंततः उन्हें राज्य का मुख्यमंत्री बना दिया जाएगा। बनर्जी ने शाह पर सीधा हमला बोलते हुए कहा, ''आपका बेटा क्रिकेट प्रशासन का हिस्सा कैसे बना और कैसे करोड़ो रुपये कमाए?'' उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी राज्य में पिछले सभी चुनावों का रिकॉर्ड तोड़ेगी और अधिकतम वोट हासिल कर आगामी विधानसभा चुनाव में सर्वाधिक सीट जीतेगी।

जेपी नड्डा का दावा, भाजपा की तुलना में कोई राजनीतिक पार्टी नहीं है

धर्मशाला। (एजेंसी)।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने यहां बृहस्पतिवार को कहा कि देश की तकरीबन सभी राजनीतिक पार्टियां परिवार आधारित हैं और उनमें से किसी भी पार्टी की भाजपा से तुलना नहीं हो सकती। उनकी पार्टी में 18 करोड़ से ज्यादा सदस्य हैं जिनमें दुनिया के सबसे अधिक स्वीकार्य नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हैं। नड्डा ने यहां पार्टी कार्य समिति की बैठक में कहा, '18 करोड़ से अधिक लोगों को सदस्य बनाना आसान नहीं है। किसी अन्य राजनीतिक पार्टी के पास इस संख्या के पास तक पहुंचने की ताकत नहीं है।' उन्होंने कहा, 'हम जनाधार, कार्यकर्ता आधारित संगठन हैं। दुनिया की सबसे स्वीकार्य हस्ती नरेंद्र मोदी भाजपा से संबंधित हैं और यही हमारी ताकत है।'

नड्डा ने कहा, 'जब हम कहते हैं कि भाजपा का का कोई मुकाबला नहीं है तो इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं है।' भाजपा अध्यक्ष ने कहा, 'हम भाग्यशाली हैं कि हम सही पार्टी के सदस्य हैं जो सामूहिक प्रयासों के साथ सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अनुसरण कर रही है और वैज्ञानिक विकास कर रही है।' नड्डा ने कार्य समिति के सदस्यों से कहा कि भाजपा की शक्ति, 'हमारी एकता है और हमें नियमित रूप से पार्टी में अपने विकास के लिए आत्म-मूल्यांकन करना चाहिए।' भाजपा के आर्थिक मॉडल 'अंतोदय' का उल्लेख करते हुए नड्डा ने कहा, 'यह पार्टी का सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के दर्शन पर आधारित है और यह तत्व सरकार की सभी योजनाओं में शामिल है।'

भाजपा के सांगठनिक ढांचे में हिमाचल प्रदेश के योगदान के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में पार्टी का 'पन्ना प्रमुख' वाला बूथ आधारित ढांचा है और हिमाचल प्रदेश को 2022 तक पन्ना समिति मॉडल अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा का जल्द ही देश के हर जिले में अपना कार्यालय होगा।

बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद बाहरी लोगों को वापस लौटना होगा: अभिषेक बनर्जी

कोलकाता। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले विभिन्न भाजपा नेताओं द्वारा राज्य का दौरा किए जाने पर निशाना साधते हुए तृणमूल युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अभिषेक बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि बाहरी लोगों को विधानसभा चुनाव के बाद वापस लौटना होगा। बनर्जी दक्षिण 24 परगना जिले के पालन में पार्टी की एक रैली को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी आज दक्षिण 24 परगना आए थे। शाह अप्रैल-मई में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की पांचवीं और अंतिम रथयात्रा को हरी झंडी दिखाने के लिए आए थे। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस अक्सर दूसरे राज्यों के भाजपा नेताओं को बाहरी कहती रही है। अभिषेक मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे हैं। अभिषेक बनर्जी ने कहा, ''यहां आने वालों को बंगाल की अनोखी संस्कृति के बारे में जानकारी नहीं है, लेकिन वे राज्य को सोनार बांग्ला (समृद्ध बंगाल) बनाने का वादा कर रहे हैं। हमारी नेता ममता बनर्जी इस बार हैट्रिक बनाएंगी और बाहरी लोगों को एक बार फिर वापस जाना होगा। यह समय की बात है।'' उन्होंने कहा, ''वे (भाजपा) क्यों नहीं सोनार उत्तर प्रदेश, सोनार राजस्थान या सोनार हरियाणा बनाते। मैं पश्चिम बंगाल के लोगों से आग्रह करता हूं कि वे उनके झूठे अभियान का शिकार नहीं बनें। लोगों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सांप्रदायिक ताकतें अपना बदसूरत सिर राज्य में न उठाएं।'' मंत्रियों सहित विभिन्न नेताओं के तृणमूल छोड़ने का जिक्र करते हुए बनर्जी ने कहा कि भाजपा ऐसी स्थिति में पहुंच गई है जहां वह राज्य का चुनाव लड़ने के लिए दूसरी पार्टी के नेताओं को अपने में शामिल कर रही है। उन्होंने कहा, हम भगवा पार्टी से डटकर मुकाबला करेंगे। मुझे यकीन है कि चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को 250 से कम सीटें नहीं मिलेंगी। यह लड़ाई बंगाल की समृद्ध संस्कृति की रक्षा करने के लिए है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा की कुल 294 सीटें हैं। राज्य सरकार की स्वास्थ्य योजना स्वास्थ्य साथी का जिक्र करते हुए उन्होंने दावा किया कि राज्य में लगभग दस करोड़ लोगों को यह कार्ड दिए गए हैं। तृणमूल कांग्रेस सरकार ने 2016 में इस योजना की शुरुआत की थी और इसका लक्ष्य राज्य की पूरी आबादी को कवर करना था।

मार्च में ऑनलाइन होगी प्रधानमंत्री की परीक्षा पे चर्चा, प्रतियोगिता से होगा प्रतिभागियों का चयन

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वार्षिक संवाद कार्यक्रम ' परीक्षा पे चर्चा' के तहत मार्च में छात्रों के अलावा अभिभावकों एवं शिक्षकों के साथ ऑनलाइन संवाद करेंगे तथा इस संवाद के दौरान सवाल पूछने वालों का चयन प्रतियोगिता के जरिए होगा। कोविड-19 महामारी के मद्देनजर इस साल 'परीक्षा पे चर्चा' का आयोजन आनलाइन होगा। शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने बृहस्पतिवार को इस आशय की जानकारी देते हुए बताया कि नौवीं से 12वीं कक्षा तक के छात्रों के साथ यह चर्चा उनकी परीक्षाएं शुरू होने से पहले मार्च में होगी। निशंक ने ट्वीट किया, ''विद्यार्थियों के परीक्षा तनाव को कम कर उन्हें प्रेरणा एवं मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संवाद कार्यक्रम 'परीक्षा पे चर्चा' का चौथा संस्करण मार्च 2021 में आयोजित किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''कोविड-19 महामारी के कारण इस साल चर्चा ऑनलाइन होगी।'' चर्चा के लिए पंजीकरण बृहस्पतिवार को शुरू होगा तथा 14 मार्च को समाप्त होगा। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, '' लोगो की मांग पर 'परीक्षा पे चर्चा 2021 में इस बार अभिभावकों एवं शिक्षकों को भी शामिल किया गया है। मैं छात्रों, अभिभावकों एवं शिक्षकों से बड़ी संख्या में परीक्षा पे चर्चा 2021 में हिस्सा लेने की अपील करता हूं।''

'परीक्षा पे चर्चा' का जिक्र करते हुए शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि प्रधानमंत्री पहले भी छात्रों के साथ ऐसा संवाद करते रहे हैं। इस बार अभिभावकों एवं शिक्षकों के साथ भी संवाद होगा। उन्होंने बताया कि चर्चा के दौरान सवाल पूछने के लिए छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों का चयन प्रतियोगिता के जरिए होगा और इसका आयोजन 'माईजीओवी.इन' पर होगा। उन्होंने बताया, '' देशभर के स्कूली छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों का चयन एक ऑनलाइन रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता के माध्यम से किया जाना है।'' निशंक ने बताया कि छात्रों के लिये प्रतियोगिता के संबंध में पांच विषय रखे गए हैं। इनमें पहला विषय 'परीक्षा को त्योहारों की तरह मनाएं' है और इसके तहत छात्रों को अपने पसंदीदा विषय के एक त्योहार को दर्शाने वाला दृश्य बनाना है। दूसरा विषय 'अतुल्य भारत, यात्रा और अन्वेषण है' और इसके तहत छात्र कल्पना करें कि उनका दोस्त तीन दिनों के लिए आपके शहर में घूमने आ रहा है और उन्हें देखने के स्थान, स्वादिष्ट भोजन, यादगार पलों के तहत तीन श्रेणियों में यह बताना है कि वे इसे कैसे यादगार बना पाएंगे? तीसरा विषय एक यात्रा समाप्त होती है, दूसरी की शुरुआत होती है' से संबंधित है। इसके तहत छात्र अपने स्कूल के जीवन के सबसे यादगार अनुभवों का वर्णन अधिकतम 1500 शब्दों में करें। चौथा विषय 'आकांक्षाएं और उन्हें पूरा करना' है और इसके तहत छात्रों को 1500 शब्दों में यह बताना है कि यदि संसाधनों या अवसरों की कोई कमी न हो, तो वे समाज के लिए क्या करेंगे और क्यों? पांचवा विषय 'आभारी रहें' है और इसके अंतर्गत छात्रों को अधिकतम 500 शब्दों में उन लोगों के लिए आभार कार्ड लिखना है जिनके वे आभारी हैं।

इसी प्रकार से प्रतियोगिता में भाग लेने वाले शिक्षकों को 'ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली- लाभ और आगे इसे कैसे बेहतर बनाया जा सकता है' विषय पर लगभग 1500 शब्दों में निबंध लिखना है। अभिभावकों को प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिये दो विषय दिये गए हैं। इसमें पहला विषय 'आपके

शब्द आपके बच्चे की दुनिया बनाते हैं - उन्हें प्रोत्साहित करें, जैसा कि आपने हमेशा किया' है। इसके तहत अभिभावकों को अधिकतम 1500 शब्दों में अपने बच्चों के साथ उनके भविष्य को ले कर अपने दृष्टिकोण को साझा करते हुए एक कहानी लिखना है। अभिभावकों को सुझाव दिया गया है कि इसका पहला वाक्य अपने बच्चे को लिखने दें और इसके बाद आगे वे खुद लिखें। दूसरा विषय 'अपने बच्चे के दोस्त बनें - अवसाद दूर रखें' है। इसके तहत अभिभावकों को 100 शब्दों में अपने बच्चे के लिए पोस्टकार्ड लिखना होगा और यह बताना होगा कि वे क्यों विशेष हैं। शिक्षा मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के पर्यवेक्षक एवं समन्वयक प्रतियोगिता का विश्लेषण करेंगे। उन्होंने बताया, '' चयनित लोगों को प्रधानमंत्री से संवाद करने का मौका मिलेगा। '' गौरतलब है कि प्रधानमंत्री के साथ स्कूली छात्रों की 'परीक्षा पे चर्चा 1.0' (पहला संस्करण) का आयोजन 16 फरवरी, 2018 को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में किया गया था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)